website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 51 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 31 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

कनाडा पर 50% एयरक्राफ्ट टैरिफ की ट्रंप की धमकी, व्यापारिक तनाव बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए एयरक्राफ्ट सेक्टर में 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रंप का आरोप है कि कनाडा अमेरिकी कंपनी गल्फस्ट्रीम के विमानों को जानबूझकर प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) देने से इनकार कर रहा है, जो गलत और गैरकानूनी है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि गल्फस्ट्रीम 500, 600, 700 और 800 जैसे अत्याधुनिक जेट विमानों को कनाडा में अब तक मंजूरी नहीं मिली, जबकि ये दुनिया के बेहतरीन बिजनेस जेट माने जाते हैं। उन्होंने इसे अमेरिकी कंपनी के साथ अन्याय बताते हुए चेतावनी दी कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो अमेरिका भी जवाबी कदम उठाएगा। राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि अमेरिका कनाडा में बने बॉम्बार्डियर ग्लोबल एक्सप्रेस समेत सभी कनाडाई विमानों का प्रमाणन रद्द कर सकता है। यह फैसला तब तक लागू रहेगा, जब तक गल्फस्ट्रीम को पूरी तरह सर्टिफिकेशन नहीं मिल जाता। इस बयान पर अमेरिका में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है। डेमोक्रेट सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रांड ने ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और आम परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह विवाद अमेरिका-कनाडा व्यापारिक रिश्तों और सप्लाई चेन पर गहरा असर डाल सकता है।

बम की धमकी से मचा हड़कंप, कुवैत-दिल्ली इंडिगो फ्लाइट की अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुवैत से दिल्ली आ रही इंडिगो एयरलाइंस की एक फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से शुक्रवार को हड़कंप मच गया। सुरक्षा कारणों से विमान की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर एयरपोर्ट के एक सुरक्षित इलाके में ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी यात्री के घायल होने या मेडिकल इमरजेंसी की कोई सूचना नहीं मिली। जानकारी के मुताबिक, इस फ्लाइट में 180 यात्रियों समेत कुल 186 लोग सवार थे। उड़ान के दौरान विमान के अंदर एक टिश्यू पेपर पर हाथ से लिखा धमकी भरा नोट मिला, जिसमें बम और हाईजैकिंग का जिक्र था। इसके बाद फ्लाइट क्रू ने तुरंत एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के तहत पायलट को सूचित किया। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया और विमान को नजदीकी अहमदाबाद एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया। विमान के उतरने से पहले ही पुलिस, सीआईएसएफ, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को अलर्ट कर दिया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान, यात्रियों और उनके सामान की गहन जांच की। बम निरोधक दस्ते ने बताया कि जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल धमकी भरे नोट की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां इसके स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं।

हापुड़ में मेंथा ऑयल फैक्ट्री में भीषण आग, केमिकल ड्रम फटने से इलाके में दहशत

यूपी। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना थाना क्षेत्र के गुलावठी मार्ग स्थित देहरा गांव में शुक्रवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मेंथा ऑयल बनाने की एक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री के अंदर रखे केमिकल और मेंथा ऑयल से भरे ड्रम तेज धमाकों के साथ फटने लगे। गनीमत यह रही कि हादसे के समय फैक्ट्री में मौजूद मजदूरों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। जानकारी के अनुसार, यह फैक्ट्री "हेलो एरोमेटिक प्राइवेट लिमिटेड" के नाम से संचालित होती है। आग लगते ही कर्मचारियों ने पहले उसे बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। इसके बाद मजदूर फैक्ट्री से बाहर भागे और तुरंत पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। इस हादसे में फैक्ट्री के अंदर रखा लाखों रुपये का केमिकल और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। केमिकल ड्रम फटने से आसपास के इलाके में भी दहशत का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

भारत-ईयू ट्रेड डील एक परिवर्तनकारी समझौता, रोजगार सृजित करने में मिलेगी मदद : पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शुक्रवार को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को परिवर्तनकारी समझौता बताया। साथ ही कहा कि इससे देश के बाजारों का विस्तार होगा और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा गया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ऐतिहासिक भारत-ईयू ट्रेड डील पर एक लेख लिखा है। यह समझौता पूरी तरह से विकसित भारत के विजन पर समर्पित है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का सफल समापन वास्तव में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो यूपीए युग के विपरीत है, जहां समझौते जल्दबाजी में किए गए थे और भारत ने अकसर हासिल करने की तुलना में कहीं अधिक त्याग किया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करेगा और समृद्धि को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के निर्णायक नेतृत्व और रणनीतिक दूरदर्शिता के मार्गदर्शन में हुए समझौते भारत के मूल हितों को प्राथमिकता देते हुए बाजारों का विस्तार करते हैं, रोजगार सृजित करते हैं और आर्थिक विकास को गति देते हैं।

इससे पहले, गोयल ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर कांग्रेस की आलोचना का कड़ा जवाब देते हुए कहा कि यह समझौता एकतरफा नहीं है, बल्कि पारस्परिक रूप से लाभकारी है जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगा और व्यवसायों एवं नागरिकों के लिए व्यापक अवसर खोलेगा।

पीएम मोदी के अनुसार, यह समझौता आर्थिक संबंधों को गहरा करेगा, हमारे लोगों के लिए अवसर पैदा करेगा और समृद्ध भविष्य के लिए भारत-यूरोप साझेदारी को मजबूत करेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ यह ऐतिहासिक समझौता, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता है, भारत की 1.4 अरब जनता के लिए महत्वपूर्ण लाभ लेकर आएगा। इससे हमारे किसानों और लघु उद्योगों के लिए यूरोपीय बाजारों तक पहुंच आसान हो जाएगी, विनिर्माण क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और हमारे सेवा क्षेत्रों के बीच सहयोग मजबूत होगा।

राहुल गांधी ईमानदार नेता, उन्हें हर कोई पसंद करता है, क्योंकि... शशि थरूर ने की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को पार्टी नेता राहुल गांधी की खुलकर सराहना करते हुए उन्हें एक ईमानदार और मजबूत आवाज वाला नेता बताया। थरूर ने कहा कि राहुल गांधी को लोग इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वह देश में सांप्रदायिकता, नफरत और विभाजन की राजनीति के खिलाफ लगातार बोलते रहे हैं और इन मुद्दों पर बेबाक रुख रखते हैं। तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "इस विषय पर मेरी कोई अलग राय नहीं है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी राहुल गांधी के खिलाफ की गई किसी गलत टिप्पणी का समर्थन नहीं किया। थरूर ने कहा, "राहुल एक ईमानदार नेता हैं।" यह बयान उस मुलाकात के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने अपनी शिकायतों को लेकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बातचीत की थी। इस बैठक के बाद थरूर ने कहा था कि सब कुछ ठीक है और हम साथ हैं। हालांकि, शशि थरूर हाल ही में कोच्चि में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हुए व्यवहार और केरल में कुछ नेताओं द्वारा उन्हें 'दरकिनार' किए जाने की कोशिशों को लेकर नाराज बताए जा रहे थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने शुक्रवार को कहा कि कुछ मुद्दों पर उनके रुख को मीडिया ने बीजेपी समर्थक के तौर पर पेश किया, जबकि उनका नजरिया सरकार समर्थक नहीं बल्कि भारत समर्थक रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी साफ किया है कि अंतरराष्ट्रीय मामलों पर वह राजनीतिक नजरिए से नहीं, बल्कि देशहित के नजरिए से बात करना पसंद करते हैं। तिरुवनंतपुरम सांसद ने कहा, "यह कोई नई बात नहीं है, मैं पहले भी यही कहता आया हूं।" गौरतलब है कि पिछले साल पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान तनाव और कूटनीतिक बातचीत पर उनकी टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। उस समय उनकी राय कांग्रेस के आधिकारिक रुख से अलग थी, जिस पर पार्टी के कई नेताओं ने उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। शशि थरूर ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी स्वीकार किया कि पार्टी के किसी भी सदस्य को पार्टी लाइन के खिलाफ नहीं जाना चाहिए।

देशभर के स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को मुफ्त सैनेटरी पैड अनिवार्य

» सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने में राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया है कि देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त सैनेटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। यह फैसला मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि छात्राओं का अधिकार है कि उन्हें सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक माहौल मिले। कोर्ट ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे अलग-अलग जेंडर के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करें और वहां पूरी प्राइवेसी सुनिश्चित करें। साथ ही, दिव्यांग छात्रों के अधिकारों का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

अदालत ने यह भी कहा है कि स्कूलों के टॉयलेट के अंदर मुफ्त बायोडिग्रेडेबल सैनेटरी पैड उपलब्ध होने चाहिए। ये पैड मशीनों के माध्यम से या स्कूल परिसर में तय किए गए जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा छात्राओं को दिए जाएं ताकि किसी तरह की झिझक या परेशानी न हो। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सभी स्कूलों में 'मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कॉर्नर' बनाने का निर्देश दिया है। इन कॉर्नर में मासिक धर्म से जुड़ी सभी जरूरी चीजें और जानकारी उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि छात्राएं खुद को सुरक्षित और जागरूक महसूस कर सकें।

अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे तीन महीने के भीतर रिपोर्ट दें और बताएं कि इस फैसले को जमीन पर कैसे लागू किया गया है। साथ ही, कोर्ट ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय स्तर पर एक नीति बनाने को भी कहा है ताकि देशभर में एक समान व्यवस्था लागू हो सके। दरअसल, यह याचिका मध्य प्रदेश की सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दायर की थी। उन्होंने मांग की थी कि स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को मुफ्त सैनेटरी पैड और अन्य मेंस्ट्रुअल प्रोडक्ट उपलब्ध कराए जाएं ताकि किसी भी छात्रा की पढ़ाई सिर्फ इस वजह से न रुके। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी कहा कि वे मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर अपने-अपने स्तर पर जो योजनाएं और फंड से चलने वाली नीतियां हैं, उनकी जानकारी केंद्र सरकार को दें।

मनरेगा के बाद अब इस योजना पर सरकार का निशाना? मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा सवाल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को हटाकर जी राम जी योजना लाने पर कांग्रेस पार्टी लगातार हमलावर बनी हुई है। संसद से लेकर सड़क तक इस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रही कांग्रेस ने अब नया दावा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि अब मनरेगा के बाद मोदी सरकार सूचना के अधिकार (आरटीआई) पर हमला करने वाली है। दरअसल, खरगे की तरफ से यह बयान ऐसे समय में आया है, जब गुरुवार को संसद में पेश किए गए आर्थिक समीक्षा में दो दशक पुराने सूचना का अधिकार अधिनियम का फिर से अध्ययन करने की पैरवी किए जाने की बात कही गई है। ताकि गोपनीय रिपोर्ट और मसौदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त हो। इस मुद्दे पर सरकार पर सरकार को घेरते हुए खरगे ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, "आर्थिक समीक्षा ने सूचना का अधिकार अधिनियम की फिर से अध्ययन करने की पैरवी की है। यह सूचना को रोकने के लिए संभावित "मंत्री स्तरीय वीटो" का सुझाव भी देती है और यह देखने की बात करती है कि क्या नौकरशाहों की सार्वजनिक सेवा से जुड़े रिकॉर्ड, तबादले और स्टाफ रिपोर्ट्स को सार्वजनिक निगरानी से बाहर रखा जा सकता है।" उन्होंने कहा, "मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से आरटीआई अधिनियम को कमजोर किया है। 2025 तक 26,000 से ज्यादा मामले लंबित हैं। 2019 में मोदी सरकार ने आरटीआई अधिनियम में कटौती करते हुए सूचना आयुक्तों के कार्यकाल और वेतन पर नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया, जिससे स्वतंत्र निगरानी संस्थाओं को आज्ञाकारी अफसरों में बदल दिया गया।"

खरगे ने आरोप लगाया कि डिजिटल डेटा सुरक्षा अधिनियम, 2023 की आड़ में "जनहित" वाले प्रावधान को खोखला कर दिया गया तथा निजता को हथियार बनाकर भ्रष्टाचार को ढकने और जांच-पड़ताल रोकने का रास्ता खोल दिया गया। उन्होंने कहा, " दिसंबर, 2025 तक केंद्रीय सूचना आयोग बिना मुख्य सूचना आयुक्त के काम कर रहा था, 11 साल में सातवीं बार इस अहम पद को जानबूझकर खाली रखा गया। 2014 से अब तक 100 से ज्यादा आरटीआई कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है, जिससे सच बोलने वालों को दंडित करने और असहमति की आवाज दबाने का माहौल बना है। मनरेगा को खत्म करने के बाद, क्या अब आरटीआई की बारी है?" आपको बता दें, कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए की सरकार मनरेगा और आरटीआई लेकर आई थी। सूचना के अधिकार के तहत आम नागरिकों तक सरकार की ज्यादातर जानकारियां पहुंच सकती थी। सरकार के ज्यादातर मंत्रालय इसके अंदर आते थे। पिछले संसदीय सत्र में केंद्र सरकार ने मनरेगा की जगह पर जी राम जी को लॉन्च किया था। कांग्रेस ने इसके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इसे महात्मा गांधी का अपमान करार दिया था।

क्या रूस-यूक्रेन के बीच थम गई जंग?

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया सीजफायर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन में चल रही जंग और कड़ाके की ठंड के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मानवीय आधार पर अहम बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अपील की है कि यूक्रेन की राजधानी कीव समेत अन्य शहरों पर कम से कम एक हफ्ते तक हमले रोके जाएं, ताकि भीषण सर्दी के दौरान आम लोगों को राहत मिल सके। व्हाइट हाउस में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर राष्ट्रपति पुतिन से अनुरोध किया है कि कड़ाके की ठंड के इस समय में कीव और अन्य शहरों व कस्बों पर एक सप्ताह तक कोई हमला न किया जाए। यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब रूस यूक्रेन के बिजली संयंत्रों और अहम बुनियादी ढांचे पर लगातार हमले कर रहा है, जिससे देशभर में लाखों लोग बिजली संकट से जूझ रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि पुतिन ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई है, हालांकि रूस की तरफ से अब तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ड्रोन हमले में तीन की मौत

इसी बीच गुरुवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने जानकारी दी कि रूस ने दक्षिणी जापोरिज्जिया इलाके में रात के समय ड्रोन हमला किया, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। इस हमले में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा और आग लग गई, जिससे कई परिवार प्रभावित हुए।

रूस कर रहा बड़े हमले की तैयारी- जेलेंस्की

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आशंका जताई थी कि रूस एक और बड़े हमले की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार रूस बड़े पैमाने पर हवाई हमलों के लिए हथियार और संसाधन इकट्ठा कर रहा है। जेलेंस्की ने याद दिलाया कि हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर लगभग 800 ड्रोन, क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया था, जिसमें खासतौर पर पावर ग्रिड को निशाना बनाया गया। ये तमाम घटनाएं ऐसे वक्त सामने आ रही हैं, जब अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच संघर्षविराम को लेकर बातचीत चल रही है, लेकिन जमीनी हालात अब भी बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं।

'कहीं मंदिर तो कहीं मुर्गी फार्म में चल रहे स्कूल', टीकाराम जूली का सरकार पर तीखा हमला

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार (30 जनवरी) को शिक्षा व्यवस्था को लेकर जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों की बदहाल हालत और जर्जर भवनों को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर तीखा हमला बोला। जूली ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था आंकड़ों के खेल में उलझकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। टीकाराम जूली ने सदन में सरकारी आंकड़े पेश करते हुए बताया कि प्रदेश के कुल 45,365 स्कूलों में से 41,178 स्कूलों को तत्काल मरम्मत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की रिपोर्ट में 3,768 स्कूल भवन पूरी तरह जर्जर बताए गए हैं, लेकिन सरकार ने केवल 2,558 स्कूलों को ही आधिकारिक रूप से जर्जर माना है। शेष 1,210 स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों की जान खतरे में है। जूली ने कहा कि कई जगह मंदिरों, अस्पतालों और यहां तक कि मुर्गी फार्म में स्कूल चल रहे हैं। बच्चों को जर्जर भवनों से हटाकर 5 से 10 किलोमीटर दूर भेजा जा रहा है, लेकिन उनके पास वहां तक पहुंचने के लिए परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं है। तबादलों को लेकर जूली ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार स्कूल भवन सुधारने के बजाय 'ट्रांसफर उद्योग' चलाने में व्यस्त है। जनवरी की कड़ाके की ठंड में जहां शिक्षा बजट पर काम होना चाहिए था, वहां तबादलों का खेल खेला जा रहा है। बहस के दौरान जूली ने शिक्षा मंत्री की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जो मंत्री दौरे के दौरान 'Knowledge' की स्पेलिंग तक सही नहीं लिख पाए, उनसे शिक्षा सुधार की उम्मीद कैसे की जा सकती है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर माइक बंद करने और आवाज दबाने का आरोप भी लगाया। इसके अलावा जूली ने OBC छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाते हुए सरकार से दो साल का पूरा हिसाब मांगा और आरोप लगाया कि पिछड़े वर्ग के छात्रों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

योगी सरकार ने गोरखपुर के 43 हजार घरों को दी बड़ी राहत

» 721 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी

यूपी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट ने गुरुवार को गोरखपुर नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज सुविधा के लिए 721 करोड़ 40 लाख 41 हजार रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय की इस योजना से 17 वार्डों के 43,604 घरों को सेप्टिक टैंक की समस्या से राहत मिलेगी। इन घरों से निकलने वाला सीवेज वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित होगा, जिससे 1,95,947 लोगों को सीधे लाभ मिलेगा।

केंद्र और राज्य सरकार का योगदान

इस परियोजना के लिए भारत सरकार 231 करोड़ 34 लाख 94 हजार रुपये देगी। वहीं, राज्य सरकार 435 करोड़ 36 लाख रुपये और गोरखपुर नगर निगम 27 करोड़ 76 लाख 48 हजार रुपये खर्च करेगा। यह परियोजना शहर की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाएगी।

17 वार्ड होंगे लाभान्वित

बाबा राघव दास नगर आंशिक, चरगांवा (आंशिक), अशोक नगर, शिवपुर आंशिक, तुलसीराम पश्चिमी, शहीद शिव सिंह क्षेत्री नगर, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल नगर, हरसेवकपुर आंशिक, विश्वकर्मापुरम बौलिया, शालिग्राम नगर आंशिक, लोहिया नगर, कृष्णानगर, शाहपुर, मैत्रीपुरम, शक्तिनगर, राम जानकीनगर और विष्णुपुरम वार्डों के घरों को परियोजना से लाभ मिलेगा।

342 किमी सीवर लाइन और सोलर प्लांट

परियोजना के तहत गोड़धोइया नाला के कैचमेंट एरिया में 342.19 किलोमीटर लंबाई में सीवर लाइन बिछाई जाएगी, जिससे इन 43,604 घरों का सीवेज निर्माणाधीन 38 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट पर जाएगा। ट्रीटमेंट के बाद सीवेज गोड़धोइया नाला के अंतिम बिंदु से रामगढ़ झील में छोड़ा जाएगा। इस लाइन में दो स्थानों पर 37.5 एमएलडी और 27 एमएलडी के सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। साथ ही 1,060 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट भी इंस्टॉल होगा। उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय के अधिशासी अभियंता पंकज कुमार ने कहा कि यह परियोजना जल प्रबंधन और शहरी स्वच्छता में मील का पत्थर साबित होगी। इससे गोरखपुर के कई क्षेत्रों में दशकों पुरानी जल और सीवर समस्याओं का समाधान होगा। शासनादेश जारी होने के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत–ईयू ट्रेड डील: रणनीतिक लाभ, आर्थिक सीमाएँ और भविष्य की चुनौती

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच घोषित ट्रेड डील को पहली नज़र में एक बड़ी कूटनीतिक और आर्थिक कामयाबी माना जा रहा है, लेकिन इसके भीतर कई ऐसे पहलू हैं जो इसे पूरी तरह लाभकारी कहने से रोकते हैं। डील की घोषणा के कुछ ही समय बाद अमेरिकी वित्त मंत्री का यह बयान कि यह समझौता अमेरिका के बढ़ते ट्रेड दबाव के जवाब में उठाया गया रणनीतिक कदम है, इस करार को केवल व्यापारिक नहीं बल्कि भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में भी रख देता है। साफ है कि यह डील वैश्विक शक्ति-संतुलन के बदलते समीकरणों से गहराई से जुड़ी हुई है। इस समझौते का सबसे संवेदनशील और अमेरिका को सबसे ज्यादा चुभने वाला पहलू पर्यावरण से जुड़ी वह छूट है, जो भारत को दी गई है। यह वही छूट है जो एक साल पहले अमेरिका को 'फॉरवर्ड-मोस्ट फेवर्ड नेशन' मानते हुए दी गई थी। इस प्रावधान का सीधा लाभ भारत के उन उद्योगों को मिलेगा, जो अभी भी कार्बन उत्सर्जन आधारित भट्टियों और तकनीकों पर निर्भर हैं। स्टील, एल्युमीनियम, सीमेंट, ऑयल रिफाइनरी, पेपर, ग्लास और फर्टिलाइज़र जैसे सेक्टर भारत के निर्यात का अहम हिस्सा हैं और इन्हें ईयू बाजार में अपेक्षाकृत आसान पहुंच मिलना निश्चित रूप से राहत की खबर है। इन क्षेत्रों में लाखों लोगों की रोज़ी-रोटी जुड़ी है, इसलिए इसे केवल व्यापारिक आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। हालांकि तस्वीर का दूसरा रुख उतना ही जटिल है। भारत के कृषि उत्पाद इस डील की सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आ सकते हैं। भारतीय खेती में कीटनाशकों और रसायनों का इस्तेमाल एक स्थापित हकीकत है, जबकि ईयू के नियम मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिहाज से बेहद सख्त हैं। ईयू का मानना है कि कई भारतीय कृषि उत्पाद उसके स्वास्थ्य मानकों पर खरे नहीं उतरते। यही वजह है कि इस सेक्टर में भारत को अपेक्षित लाभ मिलना आसान नहीं होगा। ईयू के कानूनी और तकनीकी प्रावधान बाहरी देशों के निर्यातकों के लिए पहले से ही काफी पेचीदा और कड़े माने जाते हैं। इन मानकों को पूरा करने के लिए भारतीय निर्माताओं और निर्यातकों को तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण और सर्टिफिकेशन में भारी निवेश करना पड़ेगा, जो छोटे किसानों और उत्पादकों के लिए बड़ी चुनौती है। ट्रेड विशेषज्ञों का एक वर्ग यह भी मानता है कि इस डील से होने वाला आर्थिक फायदा सीमित रह सकता है, क्योंकि भारत का लगभग तीन-चौथाई अंतरराष्ट्रीय व्यापार पहले ही 1 प्रतिशत टैरिफ श्रेणी में आता है। ऐसे में टैरिफ कटौती या छूट का असर बहुत बड़ा नहीं होगा। इसके बावजूद इस समझौते को पूरी तरह कमतर आंकना भी सही नहीं होगा। ईयू द्वारा भारत को अमेरिका के समकक्ष एक पसंदीदा साझेदार के रूप में देखना अपने आप में एक मजबूत वैश्विक संदेश है। यह संकेत देता है कि भारत को अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन का अहम स्तंभ माना जा रहा है। खास तौर पर भारत के एमएसएमई सेक्टर के लिए यह डील संजीवनी की तरह साबित हो सकती है।

रिफ, क्यूसीओ और ट्रेड डील्स: विकसित भारत बनने के लिए संरक्षणवाद से बाहर निकलने की मजबूरी और अवसर

-ऊंचे शुल्क, गैर-टैरिफ बाधाएं और वैश्विक समझौते भारत की विकास दिशा तय करेंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत को अक्सर 'किंग ऑफ टैरिफ' कहकर तंज कसते रहे हैं। ट्रम्प के कई बयान और धारणाएं भले ही अतिशयोक्ति से भरी हों, लेकिन इस एक मुद्दे पर उनकी बात पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती। सच्चाई यह है कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत उन देशों में शामिल है, जहां आज भी आयात पर ऊंचे टैरिफ और अनेक गैर-टैरिफ बाधाएं मौजूद हैं। ये बाधाएं न सिर्फ विदेशी व्यापार को कठिन बनाती हैं, बल्कि भारत के विकसित राष्ट्र बनने की राह को भी संकरी कर देती हैं। आज जब भारत 2047 तक 'विकसित भारत' बनने का सपना देख रहा है, तब यह जरूरी है कि हम अपनी व्यापार नीति का ईमानदारी से पुनर्मूल्यांकन करें। सवाल यह नहीं है कि आत्मनिर्भरता गलत है या सही, बल्कि यह है कि क्या मौजूदा टैरिफ और गैर-टैरिफ दीवारें वास्तव में भारत को मजबूत बना रही हैं या हमें वैश्विक प्रतिस्पर्धा से काटकर कमजोर कर रही हैं।

आत्मनिर्भर भारत और संरक्षणवाद की वापसी

पिछले एक दशक में 'आत्मनिर्भर भारत' देश की व्यापार नीति का केंद्रीय विचार बनकर उभरा है। इस सोच के तहत घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के लिए टैरिफ बढ़ाए गए, गैर-टैरिफ उपायों की संख्या बढ़ी और बड़े पैमाने पर मुक्त व्यापार समझौतों से दूरी बनाई गई। पिछले करीब 12 वर्षों में एनडीए सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाने, गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) जैसे नियमों के जरिये आयात को सीमित करने और वैश्विक बाजार से सावधानी बरतने की नीति अपनाई। विडंबना यह है कि भारतीय मीडिया अमेरिकी टैरिफ नीतियों की तीखी आलोचना करता है, लेकिन देश के भीतर कांग्रेस शासन के दौर जैसी संरक्षणवादी नीतियों की वापसी को लगभग चुपचाप स्वीकार कर लिया गया। जबकि सच यह है कि अति-संरक्षणवाद भारत के दीर्घकालिक हितों के खिलाफ है।

1980 का दशक: जब टैरिफ दीवारें दीमक बन गईं

अगर हम इतिहास में झांकें तो इसके गंभीर सबक मिलते हैं। 1980 के दशक में भारत की औसत टैरिफ दर करीब 125 प्रतिशत के आसपास थी। इतनी ऊंची टैरिफ दीवारों का उद्देश्य भारतीय उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन नतीजा इसके उलट निकला। घरेलू कंपनियां अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से कट गईं, तकनीकी नवाचार धीमा पड़ा और उत्पादों की गुणवत्ता वैश्विक मानकों से पीछे रह गई। जहां पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों—जैसे दक्षिण कोरिया, ताइवान, मलेशिया और बाद में वियतनाम—ने निर्यात और व्यापार को आर्थिक विकास का इंजन बनाया, वहीं भारत की संरक्षणवादी नीति ने अर्थव्यवस्था को कम विकास दर के जाल में फंसा दिया।

'बास्केट केस' से 1991 के संकट तक

इसी नीति का नतीजा था कि 1980 के दशक के आखिर तक भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अक्सर 'बास्केट केस' कहा जाने लगा। इसका मतलब था—ऐसा देश, जो गंभीर आर्थिक संकट में हो और अपने कर्ज चुकाने की क्षमता भी खो चुका हो। 1990-91 में यह आशंका हकीकत बन गई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर एक अरब डॉलर से भी नीचे चला गया, जो मुश्किल से तीन हफ्तों के आयात के लिए पर्याप्त था। सरकार को बैंक ऑफ इंग्लैंड से कर्ज लेने के लिए अपने स्वर्ण भंडार को गिरवी रखना पड़ा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से करीब 2 अरब डॉलर का आपात ऋण लेना पड़ा, जो कड़े आर्थिक सुधारों की शर्तों के साथ आया। यही वह मोड़ था, जब भारत ने उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की राह पकड़ी।

सुधारों का दौर और टैरिफ में गिरावट

1991 के बाद के दो दशकों में भारत ने धीरे-धीरे टैरिफ कम किए। विदेशी निवेश को आकर्षित करने, निर्यात बढ़ाने और घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने की कोशिशें हुईं। इसका असर यह हुआ कि 2013 तक प्रभावी टैरिफ दर काफी नीचे आ गई। भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज विकास दर हासिल की, विदेशी पूंजी आई और देश वैश्विक अर्थव्यवस्था से ज्यादा मजबूती से जुड़ा। लेकिन यह सुधार यात्रा ज्यादा लंबी नहीं चल सकी।

2014 के बाद: फिर बढ़ती टैरिफ दीवारें

2014 के बाद एक बार फिर टैरिफ बढ़ने लगे। 2021 तक प्रभावी टैरिफ दर बढ़कर करीब 18 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसके साथ ही गैर-टैरिफ बाधाओं का जाल भी तेजी से फैला। गैर-टैरिफ बाधाओं का सबसे बड़ा उदाहरण 'क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स' यानी क्यूसीओ हैं। 2014 में जहां केवल 14 क्यूसीओ लागू थे, वहीं 2025 तक इनकी संख्या 800 से अधिक हो गई। सरकार का तर्क है कि ये उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जरूरी हैं, लेकिन हकीकत यह है कि इनका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर आयात को रोकने के औजार के रूप में किया गया। नतीजा यह हुआ कि कच्चे माल और इंटरमीडियरीज की लागत बढ़ी, घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता घटी और विदेशी निवेशकों के लिए भारत कम आकर्षक बनता चला गया।

क्यूसीओ: सुरक्षा से ज्यादा रुकावट

अगर उपभोक्ता सुरक्षा ही मकसद होता, तो नियम पारदर्शी, वैज्ञानिक और वैश्विक मानकों से जुड़े होते। लेकिन कई क्यूसीओ अचानक लागू किए गए, जिनके लिए उद्योग को तैयारी का समय तक नहीं मिला। छोटे और मध्यम उद्योग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, क्योंकि उनके पास महंगे परीक्षण और प्रमाणन की क्षमता नहीं थी। इससे भारत के निर्यातक भी प्रभावित हुए, क्योंकि वैश्विक सप्लाई चेन में शामिल होने के लिए सस्ते और गुणवत्ता वाले इनपुट जरूरी होते हैं।

राहत की शुरुआत: क्यूसीओ में कटौती

अच्छी खबर यह है कि सरकार को अब इस समस्या का एहसास होता दिख रहा है। नवंबर 2025 में टेक्सटाइल क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले रसायनों, पॉलिमरों और फाइबर इंटरमीडियरीज से जुड़े 14 क्यूसीओ हटा दिए गए। इसके अलावा ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले स्टील और उससे जुड़े इंटरमीडियरीज पर लागू 55 अन्य क्यूसीओ भी समाप्त किए गए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हालिया बयान—"कस्टम्स मेरा अगला बड़ा क्लीन-अप असाइनमेंट है"—उम्मीद जगाता है कि आने वाले समय में टैरिफ ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाया जाएगा।

टैरिफ सुधार क्यों जरूरी हैं

टैरिफ कम करने का मतलब घरेलू उद्योगों को खत्म करना नहीं है। इसका मतलब है—उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना। सस्ते इनपुट मिलने से उत्पादन लागत घटती है, निर्यात बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। एक विकसित अर्थव्यवस्था वही होती है, जो वैश्विक बाजार में आत्मविश्वास के साथ खड़ी हो सके, न कि ऊंची दीवारों के पीछे छिपी रहे।

ट्रम्प का टैरिफ युद्ध और भारत के लिए मौका

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था को झकझोर दिया है। लेकिन हर संकट अपने साथ अवसर भी लाता है। ट्रम्प की आक्रामक टैरिफ नीति ने भारत को आत्मनिर्भरता के खोल से बाहर निकलकर नए व्यापार साझेदार तलाशने के लिए मजबूर किया है। पिछले एक साल में भारत ने यूके, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के चार सदस्य देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। अब यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापार समझौता हो चुका है।

2026: द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का साल?

ऐसा लगता है कि 2026 भारत के लिए द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में प्रवेश का साल साबित हो सकता है। ये समझौते भारतीय निर्यातकों को नए बाजार देंगे, विदेशी निवेश बढ़ाएंगे और घरेलू उद्योगों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलने का मौका देंगे।

भाइयों के झगड़े से वैश्विक ब्रांड बनने तक: गलत फैसलों, कर्ज संकट और दमदार वापसी की प्रेरक कहानी प्यूमा की

-रणनीतिक चूक, ब्रांड वैल्यू गिरावट और नए नेतृत्व से प्यूमा की ऐतिहासिक वापसी का सफर

प्यूमा आज जिस पहचान के साथ दुनिया के सामने खड़ी है, वह केवल एक सफल स्पोर्ट्सवियर ब्रांड की कहानी नहीं है, बल्कि यह उतार चढ़ाव, गलत फैसलों, गंभीर संकट और फिर दमदार वापसी की दास्तान है। प्यूमा की कहानी हमें यह सिखाती है कि अगर रणनीति साफ न हो, तो सबसे बड़ा ब्रांड भी जमीन पर आ सकता है, और अगर समय रहते सही फैसले ले लिए जाएं, तो डूबती नाव भी किनारे लग सकती है।

भाइयों के झगड़े से हुई शुरुआत

प्यूमा की नींव 1924 में जर्मनी के छोटे से शहर हर्ज़ोगेनऑराख (Herzogenaurach) में पड़ी। यहां दो भाई—एडोल्फ डास्लर (आदि) और रूडोल्फ डास्लर—ने मिलकर 'डास्लर ब्रदर्स शू फैक्ट्री' की शुरुआत की। आदि तकनीक और डिजाइन में माहिर थे, जबकि रूडी सेल्स और मार्केटिंग में तेज थे। शुरू में दोनों की जोड़ी ने कमाल किया और उनके बनाए जूते ओलंपिक खिलाड़ियों तक के पैरों में पहुंचे। लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के दौरान आपसी मतभेद, गलतफहमियां और पारिवारिक तनाव इतने बढ़ गए कि 1948 में दोनों भाइयों का साथ टूट गया। इसी टूटन से जन्म हुआ दो दिग्गज ब्रांडों का—एडोल्फ ने एडिडास बनाई और रूडोल्फ ने अपनी अलग कंपनी खड़ी की, जो आगे चलकर प्यूमा बनी।

नाम में छिपी रफ्तार और फुर्ती

रूडोल्फ डास्लर अपनी कंपनी को ऐसी पहचान देना चाहते थे जो तेजी, ताकत और फुर्ती का प्रतीक हो। शुरुआत में उन्होंने कंपनी का नाम अपने नाम से जोड़कर 'Ruda' रखा, लेकिन जल्द ही महसूस किया कि यह नाम प्रभावशाली नहीं है। इसके बाद उन्होंने 'प्यूमा' नाम चुना—एक ऐसा जानवर जो तेज, फुर्तीला और शिकारी प्रवृत्ति का प्रतीक है। यही गुण रूडी अपने ब्रांड में देखना चाहते थे।

शुरुआती सफलता और फिर रणनीतिक चूक

शुरुआती वर्षों में प्यूमा ने खेल जगत में अच्छी पकड़ बना ली। फुटबॉल और एथलेटिक्स के लिए बनाए गए इसके जूतों को पहचान मिलने लगी। लेकिन 1980 के दशक के अंत तक आते आते कंपनी एक बड़े भ्रम में फंस गई—क्या प्यूमा एक प्रीमियम स्पोर्ट्स ब्रांड है या फिर मास मार्केट डिस्काउंट ब्रांड? इसी भ्रम ने प्यूमा की ब्रांड वैल्यू को धीरे धीरे कमजोर करना शुरू कर दिया। कंपनी ने अपने उत्पाद हर जगह सस्ते दामों पर बेचना शुरू कर दिए। डिस्काउंट स्टोर्स में प्यूमा के जूते और कपड़े मिलने लगे। नतीजा यह हुआ कि ग्राहकों की नजर में प्यूमा की पहचान एक खास और प्रीमियम ब्रांड की जगह 'सस्ते ब्रांड' जैसी बनती चली गई।

एडिडास से अंधी प्रतिस्पर्धा

प्यूमा की एक और बड़ी कमजोरी थी—एडिडास से अंधा मुकाबला। रूडोल्फ डास्लर के मन में अपने भाई की कंपनी को हराने की जबरदस्त चाह थी। इसी जुनून में उन्होंने कई ऐसे फैसले ले लिए जो आर्थिक रूप से सही नहीं थे। इनोवेशन, रिसर्च और कस्टमर ट्रेंड्स पर ध्यान देने के बजाय, प्यूमा का फोकस अक्सर सिर्फ यह साबित करने पर रहा कि वह एडिडास से बेहतर है। इस सोच ने कंपनी को लंबे समय में नुकसान पहुंचाया।

आईपीओ, कर्ज और गिरावट की शुरुआत

वर्ष 1987 में प्यूमा ने बाजार से पूंजी जुटाने के लिए आईपीओ लाने का फैसला किया। आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल कंपनी मैनेजमेंट ने विस्तार के लिए आक्रामक तरीके से किया। नए बाजार, नई फैक्ट्रियां और बड़े बड़े ऑर्डर—सब कुछ तेजी से किया गया। यहीं सबसे बड़ी गलती हुई। बिना पूरी योजना के प्यूमा ने बैंकों से भारी कर्ज भी ले लिया। उम्मीद थी कि बिक्री तेजी से बढ़ेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब सेल्स उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ी, तो कंपनी के गोदाम माल से भर गए। इस जमा स्टॉक को निकालने के लिए प्यूमा ने अपने उत्पाद डिस्काउंट स्टोर्स में बेचना शुरू कर दिया। इससे ब्रांड की छवि और कमजोर हो गई। निवेशक डर गए, शेयरों की कीमतें गिरने लगीं और कंपनी कर्ज के ऐसे जाल में फंस गई, जहां सिर्फ ब्याज चुकाना भी मुश्किल हो गया।

1993: सबसे गंभीर संकट

1993 का साल प्यूमा के इतिहास का सबसे काला दौर माना जाता है। कंपनी पर इतना कर्ज चढ़ चुका था कि बैंक भी नया कर्ज देने से मना करने लगे। मीडिया में प्यूमा के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे। कई जानकारों का मानना था कि यह ब्रांड अब शायद बच नहीं पाएगा। कंपनी के पास न तो साफ रणनीति थी, न ही मजबूत लीडरशिप। रूडोल्फ के बेटों के हटने के बाद प्यूमा लंबे समय तक बिना ठोस नेतृत्व के चलती रही, जिसका सीधा असर बिक्री और ब्रांड इमेज पर पड़ा।

ट्रेंड समझने में चूक

1990 के दशक में जूते सिर्फ खेल मैदान तक सीमित नहीं रहे। वे 'स्ट्रीट वियर' और फैशन का हिस्सा बन रहे थे। नाइकी ने इस ट्रेंड को समय रहते पहचान लिया और 'एयर जॉर्डन' जैसे आइकॉनिक प्रोडक्ट्स के जरिए युवाओं के दिल पर कब्जा कर लिया। प्यूमा इस बदलाव को समझने में पीछे रह गया। वह लंबे समय तक खुद को सिर्फ पारंपरिक स्पोर्ट्स ब्रांड के तौर पर देखता रहा, जबकि बाजार उससे आगे निकल चुका था।

बदलाव की शुरुआत: नया नेतृत्व

संकट की इस घड़ी में प्यूमा ने एक साहसिक फैसला लिया। कंपनी ने महज 30 साल के योचेन जिट्ज (Jochen Zeitz) को सीईओ नियुक्त किया। यह फैसला उस समय बहुतों को जोखिम भरा लगा, लेकिन यही कदम प्यूमा के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। योचेन जिट्ज ने आते ही '100 दिन का सर्वाइवल प्लान' लागू किया। उन्होंने गैर जरूरी खर्चों में लगभग 25% की कटौती की। फैक्ट्रियों, सप्लाई चेन और मैनेजमेंट स्ट्रक्चर की गहराई से समीक्षा की गई। इससे कंपनी का बर्न रेट कम हुआ और नकदी की स्थिति सुधरने लगी।

स्पोर्ट्स लाइफस्टाइल का नया कॉन्सेप्ट

योचेन जिट्ज ने प्यूमा की पहचान को नए सिरे से गढ़ा। उन्होंने 'स्पोर्ट्स लाइफस्टाइल' का कॉन्सेप्ट दिया। उनका मानना था—हर इंसान एथलीट नहीं होता

स्त्रियों के लिए न्याय का सवाल: जब क़ानून, सहमति और गरिमा के बजाय पितृसत्तात्मक सोच को तरजीह देता है

-जब क़ानून ही महिलाओं की आवाज़ को कमज़ोर कर दे

इस महीने की शुरुआत में मणिपुर में सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई 20 वर्षीय युवती की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में पीड़िता की बहन के वे शब्द— "कोई उसे न्याय नहीं दिला सका"—सिर्फ़ एक परिवार का दर्द नहीं थे, बल्कि वे भारत की न्याय-व्यवस्था पर एक तीखा सवाल थे।

सवाल यह नहीं है कि अपराध क्यों होते हैं, बल्कि यह है कि क्या हमारा क़ानूनी तंत्र महिलाओं को सचमुच न्याय दिलाने में सक्षम है? और उससे भी बड़ा सवाल— स्त्रियों के लिए न्याय का मतलब आखिर क्या है? न्याय केवल अदालत के फ़ैसले तक सीमित नहीं होता। न्याय का अर्थ है—सम्मान, बराबरी, सुरक्षा, और अपने शरीर व जीवन पर ख़ुद का अधिकार। लेकिन विडंबना यह है कि भारत में कई ऐसे क़ानून हैं जो दिखने में महिलाओं की रक्षा करते हैं, पर गहराई में जाकर देखें तो वही क़ानून महिलाओं की स्वायत्तता को कमज़ोर करते हैं।

वैवाहिक दुष्कर्म: जब विवाह सहमति को ख़त्म कर देता है

भारतीय दंड संहिता, 1860 और अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 63 के तहत पति द्वारा पत्नी के साथ उसकी सहमति के बिना बनाए गए यौन संबंध को दुष्कर्म नहीं माना जाता। यानी जैसे ही एक स्त्री विवाह करती है, उसका "ना" कानूनी रूप से महत्वहीन हो जाता है। यह क़ानून इस धारणा पर आधारित है कि विवाह के बाद स्त्री की सहमति स्थायी हो जाती है। लेकिन सहमति कोई स्थायी अनुबंध नहीं, बल्कि हर बार दिया जाने वाला स्वतंत्र निर्णय है। यह प्रावधान पत्नी के निर्णय से ज़्यादा पति के कथित "वैवाहिक अधिकार" को महत्व देता है। सरकार अकसर यह तर्क देती है कि वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध बनाने से परिवार संस्था कमज़ोर होगी। लेकिन सवाल यह है— क्या एक ऐसी संस्था, जो स्त्री के शरीर पर ज़बरदस्ती को वैध ठहराती हो, उसे बचाया जाना चाहिए? हालाँकि महिलाएँ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत नागरिक उपाय मांग सकती हैं, लेकिन आपराधिक कार्रवाई का अभाव यह संदेश देता है कि स्त्री का शरीर उसकी अपनी मिल्कियत नहीं, बल्कि विवाह का हिस्सा है। यह कोई नई बहस नहीं है। 1971 की 42वीं विधि आयोग रिपोर्ट ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने की सिफ़ारिश की थी। पाँच दशक बीत गए, लेकिन क़ानून आज भी वहीं ठहरा है।

विवाह की न्यूनतम आयु: सुरक्षा या पितृसत्ता?

बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष तय की गई है। यह अंतर वर्षों से चला आ रहा है, लेकिन इसका कोई वैज्ञानिक या जैविक आधार नहीं है। यदि उद्देश्य कम उम्र में विवाह रोकना है, तो यह नियम सभी जेंडर के लिए समान क्यों नहीं? और यदि उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा है, तो फिर उनके लिए विवाह की उम्र कम रखना किस तरह सुरक्षा देता है? दरअसल, यह क़ानून उस सामाजिक धारणा को वैधता देता है कि पुरुष उम्र में बड़ा और आर्थिक रूप से ताक़तवर होना चाहिए, जबकि स्त्री को "समायोजित" होना चाहिए। इससे महिलाओं की शिक्षा सीमित होती है, उनकी आर्थिक निर्भरता बढ़ती है और विवाह को उनके जीवन का केंद्रीय लक्ष्य बना दिया जाता है। जो क़ानून असमानता को संस्थागत रूप देता हो, वह गरिमा और समानता का दावा नहीं कर सकता।

दाम्पत्य सहवास की बहाली (RCR): जब साथ रहना क़ानूनी मजबूरी बने

दाम्पत्य सहवास की बहाली यानी Restitution of Conjugal Rights का प्रावधान पति या पत्नी को यह अधिकार देता है कि यदि दूसरा जीवनसाथी "उचित कारण" के बिना अलग रह रहा हो, तो अदालत उसे साथ रहने का आदेश दे सकती है। यह प्रावधान विवाह को सहमति और सम्मान पर आधारित संबंध की बजाय सहवास के क़ानूनी दायित्व के रूप में देखता है। अक्सर इस क़ानून का इस्तेमाल महिलाओं के ख़िलाफ़ होता है। जो महिलाएँ मानसिक, भावनात्मक या यौन उत्पीड़न के कारण अलग होना चाहती हैं, उन्हें अदालत में अपने फैसले को "तर्कसंगत" साबित करना पड़ता है। और क्योंकि वैवाहिक दुष्कर्म अपराध नहीं है, इसलिए कई बार महिलाओं को उन्हीं हालात में लौटने के लिए मजबूर किया जाता है, जहाँ उनकी गरिमा और सुरक्षा दोनों ख़तरे में होती हैं। कोई भी क़ानून जो किसी व्यक्ति को अनिच्छित सहवास के लिए बाध्य करे, वह स्वतंत्रता के मूल अधिकार के ख़िलाफ़ है।

पॉक्सो क़ानून और किशोरों की सहमति

पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इसके अमल में कई गंभीर समस्याएँ सामने आई हैं। इस क़ानून के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी यौन संबंध में सहमति अप्रासंगिक मानी जाती है। नतीजा यह है कि किशोर-किशोरियों के बीच सहमति से बने प्रेम संबंध भी अपराध बन जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि पॉक्सो के तहत दर्ज बड़ी संख्या में मामले ऐसे होते हैं, जिनमें लड़की और लड़का दोनों नाबालिग होते हैं और रिश्ता सहमति पर आधारित होता है। अक्सर ऐसे मामले लड़कियों के परिजन दर्ज कराते हैं, खासकर जब रिश्ता अंतर-जातीय, अंतर-धार्मिक या सामाजिक रूप से अस्वीकार्य हो। इस तरह यह क़ानून लड़कियों की पसंद और स्वायत्तता को नियंत्रित करने का औज़ार बन जाता है, जबकि असली शोषण के मामलों में न्याय मिलने में देर होती है। शोषण और सहमति के बीच अंतर न कर पाना किसी भी न्याय व्यवस्था की बड़ी विफलता है।

विवाह के झूठे वादे पर यौन संबंध: सहमति को संदेह के कटघरे में

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 69 विवाह के झूठे वादे के आधार पर बनाए गए यौन संबंध को अपराध घोषित करती है।

संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार - भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन पर राज्य सरकार संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ आमजन की हर परिवेदना के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 के माध्यम से भी जनता की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा इस हेल्पलाइन का समय-समय पर निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि परिवादियों को त्वरित राहत मिले। इसी कड़ी में शर्मा ने शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन से सीधा संवाद किया। शर्मा ने उनसे आत्मीयता से बात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा अधिकारियों को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आमजन से राज्य सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक भी लिया। शर्मा से कोटपूतली-बहरोड़ के मोहम्मदपुर नंगलिया खोहरी निवासी पिंकी यादव ने दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए निवेदन किया। इसी तरह डूंगरपुर के बोड़ीगामा छोटा गांव से जितेन्द्र ने जाति प्रमाण पत्र तथा मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं बनने के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। वहीं प्रतापनगर, जयपुर की निवासी लाजवंती ने मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनकी समस्याओं का समाधान कर राहत देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को रतनगढ़ चूरू के भोजासर से किशनलाल ने मकान का पट्टा जारी नहीं होने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर लंबित होने की जानकारी दी। किशनलाल ने शर्मा से शीघ्र पट्टा जारी करवाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इनके मकान का पट्टा जारी करने के लिए निर्देशित किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण की प्रणाली तथा फॉलो-अप प्रक्रिया की पूरी जानकारी ली। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो, जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसी दिशा में 181 हेल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं।

केमिस्ट्री का टीचर और UPSC अभ्यर्थी चला रहे ड्रग्स की फैक्ट्री, भाटी ने उठाया सवाल- इन्हें कौन रोकेगा?

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव के दौरान शिव से विधायक रविंद्र भाटी ने नशे की बढ़ती समस्या को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एमडी ड्रग की अवैध फैक्ट्रियां आज सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं। यह किसी एक जाति या धर्म की समस्या नहीं है, बल्कि हर वर्ग किसी न किसी रूप में इससे प्रभावित हो रहा है। खासतौर पर पश्चिमी राजस्थान में एमडी ड्रग और स्मैक बनाने की कई फैक्ट्रियां सक्रिय हो चुकी हैं, जिसकी वजह से आने वाली पीढ़ी तेजी से गर्त में जा रही है। भाटी ने कहा कि नई पीढ़ी को बचाने के लिए क्या हम पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं? एक समय था जब कहा जाता था कि पंजाब नशे के कारण 'उड़ता पंजाब' बन रहा है, लेकिन अगर अभी नहीं रोका गया तो आने वाले समय में राजस्थान भी कहीं 'उड़ता राजस्थान' न बन जाए। उन्होंने इस पर तुरंत रोक लगाने की जरूरत बताई।

कोई महिला बाहर नहीं निकल सकती- भाटी

रविंद्र भाटी ने कहा कि हाल ही में केमिस्ट्री के अध्यापक पकड़े गए, जो एमडी ड्रग की फैक्ट्री चला रहे थे। उन्होंने यह भी उदाहरण दिया कि एक यूपीएससी की परीक्षा देने वाला अभ्यर्थी भी पकड़ा गया, जिसने कहा कि वह फेल हो गया, अब क्या करे, इसलिए उसने एमडी बनाने की फैक्ट्री शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक नशे की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आज हर गली और हर मोहल्ले में नशेड़ी बैठे नजर आते हैं। हालात ऐसे हैं कि कोई व्यक्ति बाहर नहीं निकल सकता और कोई महिला सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। भाटी ने बताया कि कुछ समय पहले आईपीएस अधिकारी कांबले और विकास कुमार ने पश्चिमी राजस्थान में अच्छा काम किया था, लेकिन इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से सटे इलाकों में हालात फिर बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि रावतसर के एक बड़े गांव में कंटेनर को मॉडिफाई कर एमडी फैक्ट्री और डोडा पोस्त का काम किया जा रहा है।

सवाल- इसको रोकेगा कौन?

इस पूरे मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की अपील करते हुए भाटी ने कहा कि एमडी और स्मैक जैसी ड्रग्स से सिर्फ एक व्यक्ति या एक युवा ही परेशान नहीं होता, बल्कि उसका पूरा परिवार तबाह हो जाता है और उनका जीवन नर्क बन जाता है। उन्होंने कहा कि इसे हर हाल में रोकने की जरूरत है। निर्दलीय विधायक ने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि डोडा पोस्त पर नियंत्रण के बाद लगा था कि हालात सुधरेंगे, लेकिन अब स्थिति और ज्यादा खराब होती जा रही है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में सख्त और ठोस कदम उठाने, युवा शक्ति को बचाने और राजस्थान के भविष्य को सुरक्षित करने की अपील की। भाटी ने कहा कि युवाओं को बचाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हम सबकी है।

77 वां गणतंत्र दिवस:

राजस्थान की झांकी ने जीता पॉपुलर चॉइस पुरस्कार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में निकाली गई राजस्थान की झांकी ने लोकप्रिय पसंद (पॉपुलर चॉइस) का तृतीय पुरस्कार जीता है। भारत के रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ से राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन, कला, साहित्य एवं संस्कृति प्रवीण गुप्ता ने शुक्रवार को नई दिल्ली के महिपालपुर स्थित रक्षा संस्थान में यह पुरस्कार ग्रहण किया। गुजरात को पॉपुलर चॉइस श्रेणी में प्रथम तथा उत्तर प्रदेश को द्वितीय स्थान मिला है। अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर सयुंक्त शासन सचिव कला, साहित्य एवं संस्कृति श्रीमती अनुराधा गोगीया एवं ललित कला अकादमी के सचिव रजनीश हर्ष भी उपस्थित रहें। प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में गणतंत्र दिवस परेड 2026 में बीकानेर की सदियों पुरानी उस्ता कला से प्रेरित राजस्थान की झांकी ने सुनहरा अध्याय लिखते हुए पॉपुलर चॉइस का तृतीय पुरस्कार जीता है। उन्होंने बताया कि मायगॉव प्लेटफॉर्म पर देशव्यापी जनमतदान के माध्यम से गुजरात को प्रथम स्थान, उत्तर प्रदेश को द्वितीय स्थान और राजस्थान को तृतीय स्थान मिला है। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस परेड में "रेगिस्तान का सुनहरा स्पर्श" शीर्षक से राजस्थान कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग की ओर से बीकानेर की स्वर्ण कला (उस्ता कला) से सुसज्जित इस झांकी ने अपनी जटिल शिल्पकारी, शाही विरासत और सांस्कृतिक गहराई से लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राजस्थान की रेत से लेकर कर्तव्य पथ तक, बीकानेर के कारीगरों ने यह प्रदर्शित किया कि कैसे भारत की पारंपरिक कलाएँ सांस्कृतिक गौरव, आत्मनिर्भरता और सॉफ्ट पावर की रीढ़ बनी हुई हैं। जनता की जबरदस्त प्रतिक्रिया ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत की आत्मा उसकी विरासत, शिल्प कौशल और लोगों में बसती है।

आईसीडीएस निदेशालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी गई श्रृद्धांजलि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर स्थित निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) मुख्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनके चित्र पर माल्यार्पण कर, तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रृद्धांजलि दी गई। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने इस अवसर पर देश के शहीदों को श्रृद्धांजलि देते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने एक राष्ट्र के रूप में हमारी सुप्त चेतना को जागृत किया। उन्होंने कहा कि हमारी राष्ट्रीय चेतना में विभिन्न धाराएं समाहित हैं तथा गांधी जी उनका प्रतिनिधित्व करते थे। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अत्यंत असहनीय पीड़ाये सहकर और कठिन संघर्ष से स्वतंत्रता प्राप्त की है और देश आज संगठित और सार्थक मार्ग पर अग्रसर है। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक (पोषाहार) अनुपमा टेलर, वित्तीय सलाहकार पदमचंद, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) अल्का विश्नोई, उपनिदेशक (विखाका) सरोज ढ़ाका, संयुक्त निदेशक (मॉनिटरिंग) गुरूदर्शन सिंह, उपनिदेशक (प्रशिक्षण) बनवारी लाल सिनसिनवार, उपनिदेशक (आईईसी) डॉ. धर्मवीर मीणा, संयुक्त परियोजना समन्वयक (प्रथम) ओ पी सैनी, संयुक्त परियोजना समन्वयक(तृतीय) डॉ.मंजू यादव सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम जयपुर की अग्निषमन शाखा टीम ने की मॉक ड्रिल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी के निर्देशानुसार अग्निशमन शाखा द्वारा लालजी सांड के रास्ते पर मॉक ड्रिल करवाई गई। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से अग्निषमन शाखा की टीम द्वारा आपात स्थिति में बचाव के तरीके बताये गये। आमजन को भी समझाइष की गई कि वे आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही तत्कालीक रूप से निकटतम फायर स्टेषन पर सूचना दे, शांत रहे, शीघ्रता करें एवं तत्कालीक बचाव के उपाय अपनाये।

कोर्ट के आदेश की हेल्थ डिपार्टमेंट कर रहा है अवेलना, अभियार्थी परेशान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नर्सिंग ऑफिसर भर्ती 2023 कार्य अनुभव के आधार पर बोनस अंक प्रदान नहीं किए जाने को लेकर बड़ी खबर सामने आयी है आपको बता दे की इस पहले कई अभियार्थी को राजस्थान सरकार द्वारा जित नर्सिंग कि भातीं 2023 में कार्य अनुभव के आधार पर बोनस अंक प्रदान नहीं किए गए है। जबकि अमान परिविधरि में पूर्व वर्षों में विभाग द्वारा बोनस अंक दिए जा चुके है।

बोनस अंक प्रदान किये गए लोगों की लिस्ट :-

1. श्रीमती मंजू (ANM) को पानीयन से पूर्व के अनुभव का लाभ देते हुए 12.2025 द्वारा अनुभव बोनस अंक प्रदान किए गए।

2. इसी प्रकार श्रीमती रहाना बानो असारी की नर्सिंग भर्ती अंक दिए गए। 2018 में विभाग द्वारा अनुनय बोनस अंक प्रदान किए गए।

और इसके अलावा हाई - कोर्ट की सिगल बेंच एवं डबल बैच के निर्णय आ जाने के बाद भी समान वर्ग के अभ्यर्थियों को अनुभव बोनस से वंचित रखा गया है। जो संविधान के अनुच्छे 16 का उल्लंघन बताया जा रहा है। आपको बता दे की रमेश चाँद कुमार ने रॉयल पत्रिका से बात करते हुए बताया की मैंने सभी संबधित अधिकारी और मंत्रियों से मुलाकात कर इसकी जानकारी दी तब भी इस पर कोई करवाई नहीं हुई, अब इन आंकड़ों से यह साबित हो रहा है की कही ना हाई - कोर्ट के आदेश की अवेलना हो रही है।

बलिदान दिवस पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सर्वधर्म प्रार्थना सभा व पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के बलिदान दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में पं. गिरिराज बालोदिया ने गीता पाठ किया, फादर विजय पॉल ने बाइबिल का पाठ किया, हाफिज मौलाना राशिद राजा ने कुरान की आयतें पढ़ी। इस अवसर पर कांग्रेसजनों द्वारा दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, कोषाध्यक्ष रोहित बोहरा, महासचिव रामसिंह कस्वा, जसवंत गुर्जर, स्वर्णिम चतुर्वेदी, आर. सी. चौधरी, हाजी जियाउर रहमान, विक्रमसिंह शेखावत, सचिव ताराचंद सैनी, अय्यूब खान, नरेश चौधरी, विधायक अमीन कागजी, डॉ. शिखा मील बराला, पूसाराम गोदारा, पूर्व मंत्री बृजकिशोर शर्मा, डॉ. महेश जोशी, श्रीमती शकुंतला रावत, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सारिका सिंह, जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, दामोदर गुर्जर, हरसहाय यादव, एम. डी. चौपदार, अभिमन्यु सिंह भदौरिया, राजेन्द्र यादव, श्रीमती शारदा साध, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती शकुंतला शर्मा, महावीर सुकराई, राजेश कटारा, पंकज दाधीच, खंगाराम चौधरी, श्रीमती मीनाक्षी जैदी, राजेन्द्र शर्मा, धनसिंह नरूका, राजेश पाण्डे, श्रवण चौबे, श्रीमती शीला तिवाड़ी सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शाहपुरा रोड पर जनपीड़ा का अंत:

दिगराज सिंह शाहपुरा ने अपने खर्चे से करवाई जर्जर सड़क की मरम्मत

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा में चोपड़ की मुख्य सड़क पर लंबे समय से पड़े गड्ढों और टूटी हुई सड़क के कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं, वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे थे और पैदल चलना तक जोखिम भरा हो गया था। इस गंभीर समस्या को लेकर आमजन द्वारा कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया, लेकिन न तो प्रशासन ने सुध ली और न ही किसी जनप्रतिनिधि ने आगे बढ़कर समाधान किया। ऐसे समय में दिगराज सिंह शाहपुरा, राष्ट्रीय महासचिव, ऑल इंडिया किसान कांग्रेस, आमजन की पीड़ा को समझते हुए स्वयं आगे आए। उन्होंने बिना किसी सरकारी फंड या औपचारिक प्रक्रिया की प्रतीक्षा किए, अपने निजी खर्चे से शाहपुरा में चोपड़ की जर्जर सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू करवाया। गड्ढों को भरवाकर और टूटी सड़क को दुरुस्त करवाकर उन्होंने आमजन को राहत पहुंचाई। इस कार्य से न केवल यातायात सुगम हुआ, बल्कि समाज में यह स्पष्ट संदेश भी गया कि जनसेवा केवल भाषणों से नहीं, बल्कि ज़मीनी काम से होती है। दिगराज सिंह शाहपुरा ने यह सिद्ध कर दिया कि जब प्रशासन संवेदनहीन हो जाए, तब भी जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए दिगराज सिंह शाहपुरा का आभार व्यक्त किया और कहा कि वर्षों बाद किसी नेता ने बिना राजनीति और प्रचार के, वास्तविक समस्या का समाधान किया है। दिगराज सिंह शाहपुरा ने इस अवसर पर कहा कि - "जब जनता परेशान हो और व्यवस्था मौन हो, तब आगे आना ही सच्ची राजनीति है। जनहित सर्वोपरि है और रहेगा।" यह कार्य निश्चित रूप से समाज के लिए प्रेरणादायी है और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन किए अर्पित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि (शहीद दिवस) पर शुक्रवार प्रातः शासन सचिवालय पहुंचे। शर्मा ने सचिवालय स्थित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उपस्थित जनसमूह के साथ गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर 'वैष्णव जन तो तेने कहिये, रघुपति राघव राजा राम, राम रतन धन पायो, श्री राम जय राम' जैसे गांधी जी के प्रिय भजनों का श्रवण किया। इस दौरान पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, सचिवालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एवं अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री निवास पर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प किए अर्पित:

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहीद दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहीद दिवस पर विधानसभा में दो मिनट का मौन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्रात: 11 बजे विधानसभा में देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के सम्मान में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व सभी सदस्यों को दो मिनट का मौन रखने के लिये कहा। सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने शहीदों के बलिदान को नमन किया। शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और देश सेवा के उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

शहीद दिवस पर जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में रखा गया 2 मिनट का सामूहिक मौन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा गया। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार सुबह 11 बजे से 11 बजकर 02 मिनट तक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) श्रीमती विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया, उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम राजेश जाखड़, उपखण्ड अधिकारी जयपुर उत्तर दीपक खटाना, सहायक कलक्टर श्रीमती सरिता शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी सामूहिक मौन में मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना की राज्य स्तरीय एपेक्स कमेटी की बैठक आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अंतरविभागीय समन्वय एवं प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य स्तरीय एपेक्स कमेटी की बैठक शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने की। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित विभिन्न हस्तक्षेपों की विस्तृत प्रगति से अवगत कराया गया। मुख्य सचिव ने बैठक में निर्देश दिए कि पीएम जनमन योजना के सभी हस्तक्षेपों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ सहारिया जनजाति के जीवन स्तर में स्थायी सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि यह योजना सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बैठक में बताया गया कि राजस्थान में विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह के रूप में केवल सहारिया जनजाति निवासरत है, जो मुख्यतः बारां जिले के किशनगंज एवं शाहबाद ब्लॉकों में केंद्रित है। जिले में सहारिया जनसंख्या लगभग 1.30 लाख है, जो 424 बसावटों एवं 324 राजस्व ग्रामों में निवास करती है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना के अंतर्गत सहारिया परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त करने की दिशा में ठोस प्रगति दर्ज की गई है। बैठक में पक्के आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि चयनित मॉडल ग्रामों में आवासीय सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। बारां जिले के भवतीपुरा जैसे ग्रामों में मॉडल कॉलोनियों का निर्माण कर सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया गया है, जिससे सहारिया परिवारों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सड़क संपर्कता के क्षेत्र में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत सहारिया बहुल 39 बसावटों को जोड़ने के लिए सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। विभिन्न ग्रामों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण से आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका के अवसरों में सुधार आया है। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से दूरस्थ बसावटों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं तथा नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। बैठक में शिक्षा से जुड़े हस्तक्षेपों की भी समीक्षा की गई। सहारिया विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों का निर्माण एवं संचालन किया जा रहा है, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। विद्युतिकरण के क्षेत्र में बताया गया कि जिले में 17,633 लक्षित परिवारों में से 16,023 परिवारों को बिजली कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत सहारिया परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अधिकांश बसावटों में 100 प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं संचालन के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है। आजिविका संवर्धन के लिए वन धन विकास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां स्व-सहायता समूहों को आजिविका से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण कर सामुदायिक गतिविधियों के लिए आधारभूत ढांचा विकसित किया गया है। दूरसंचार सुविधाओं के विस्तार हेतु मोबाइल टावर स्थापना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में कौशल विकास के अंतर्गत सहारिया युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए पीएमकेवीवाई के तहत 500 युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना पर चर्चा की गई। अब तक सैकड़ों युवाओं का पंजीकरण एवं प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है, जिससे उन्हें भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग कुंजी लाल मीणा सहित ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, ऊर्जा, लोक निर्माण, दूरसंचार एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि शहीद दिवस के रूप में मनाई। इस अवसर पर चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर व देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पीसीसी सचिव रियाजत खान ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा और प्रेम का प्रतीक था। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपने अद्वितीय योगदान से दुनिया को अहिंसा और सत्याग्रह की शक्ति दिखाई। पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने कहा कि गांधी जी का सपना था कि एक समतामूलक और न्यायसंगत समाज, जहां सभी धर्मों, जातियों और वर्गों के लोग समानता और भाईचारा के साथ रहें। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार और आदर्श आज भी जीवित है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा ने किया। इस दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, रतनलाल जांगिड, विनय कुमार एडवोकेट, जिला अध्यक्ष अभाव अभियोग रामेश्वर नायक, असलम खां मोयल, कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ सचिव श्रवण बसेर, विनोद खटीक, राधेश्याम बुटिया, चन्दनमल मेघवाल, सिराज खां जोईया, रामचन्द्र सुण्डा, राजीव बहड, नीरज शर्मा, राजेश फौजी, सुशील स्वामी, किशानाराम बाबल, विमल शर्मा, अली मोहम्मद भाटी, आसिफ निर्माण, अनिस पार्षद, इस्माईल भाटी, समीउल्लाह गौरी, सुर्यप्रकाश वर्मा, वसीम खोखर, ईमरान मलनस आदि ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

5 साल का इंतज़ार खत्म: नसीराबाद को मिला विकास का नया सेतु

-रेलवे ओवरब्रिज से जाम, फाटक और आपात देरी को स्थायी राहत

जितेंद्र बालोत

नसीराबाद/अजमेर (रॉयल पत्रिका)। नसीराबाद शहर के लिए बड़ी राहत और विकास की सौगात के रूप में बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) अब पूरी तरह बनकर तैयार है। नसीराबाद रेलवे स्टेशन के समीप नसीराबाद–ब्यावर मार्ग पर स्थित इस ओवरब्रिज का निर्माण वर्ष 2020 में शुरू हुआ था, जो अब अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है। संभावना है कि आने वाले कुछ ही दिनों में इसका विधिवत उद्घाटन कर आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। इस ओवरब्रिज के निर्माण में रक्षा मंत्रालय, राजस्थान सरकार और छावनी परिषद की भूमि शामिल होने के कारण प्रशासनिक और तकनीकी समन्वय में लंबा समय लगा। कई बार प्रक्रियागत अड़चनों और स्वीकृतियों में देरी के चलते कार्य बाधित भी होती थी। हुआ। इसका सीधा असर क्षेत्रवासियों और इस मार्ग से रोजाना गुजरने वाले हजारों राहगीरों पर पड़ा, जिन्हें वर्षों तक रेलवे फाटक बंद रहने की समस्या से जूझना पड़ा। नसीराबाद–ब्यावर मार्ग शहर का एकमात्र प्रमुख संपर्क मार्ग है, जो भवानीखेड़ा, नांदला, बुबानिया, बाघसुरी, राजोसी क्षेत्र, नगरपालिका, महाविद्यालय और अनेक आवासीय कॉलोनियों को जोड़ता है। रेलवे ट्रेनों की लगातार आवाजाही के कारण फाटक अक्सर बंद रहता था, जिससे यातायात जाम, समय की बर्बादी और आमजन को भारी असुविधा होती थी। कई बार चिलचिलाती धूप, तेज बारिश और आपात परिस्थितियों में भी लोगों को लंबा इंतज़ार करना पड़ता था। एंबुलेंस और अग्निशमन वाहन तक फाटक बंद होने से समय पर नहीं निकल पाते थे, जिससे जनसुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो जाते थे। क्षेत्रवासियों की निरंतर मांग और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों से इस परियोजना को दोबारा गति मिली और अब यह अपने मुकाम पर पहुँच गई है। ओवरब्रिज के शुरू होने से न केवल यातायात सुचारु होगा, बल्कि समय की बचत, ईंधन की खपत में कमी और आपात सेवाओं को निर्बाध मार्ग मिलेगा। तकनीकी दृष्टि से ओवरब्रिज आधुनिक मानकों पर तैयार किया गया है। दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़े फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए बनाए गए हैं। रेलवे लाइन के ऊपर 100 मीटर हिस्से में पुल की चौड़ाई 7.5 मीटर है, जबकि ब्यावर छोर पर 272 मीटर और नसीराबाद छोर पर 110 मीटर तक चौड़ाई 10.5 मीटर रखी गई है। पहले जहां केवल साढ़े चार मीटर ऊंचे वाहन ही निकल पाते थे, अब एनएचएआई मानकों के अनुसार साढ़े पाँच मीटर ऊंचे वाहन भी इस पुल से गुजर सकेंगे। पुल की कुल लंबाई 592 मीटर है। इस महत्वपूर्ण परियोजना को पूरा करने में रेलवे डिप्टी चीफ इंजीनियर नीरज कुमार, जूनियर इंजीनियर बलराम, प्रोजेक्ट मैनेजर धीरेंद्र सिंह, वरिष्ठ अभियंता लोकेश राजोरिया सहित फर्म परमाणु विष्णु प्रकाश आर पूमालिया का योगदान रहा। वहीं प्रशासनिक स्तर पर स्टेशन कमांडर ब्रिगेडियर हरीश कुमार, कैंटोनमेंट सीईओ डॉ. नीतिश गुप्ता, उपखंड अधिकारी देवी लाल यादव और तहसीलदार राकेश कुमार की अहम भूमिका रही।

NSUI की नई जिम्मेदारी: उस्मान खान बने जिला महासचिव

-छात्र हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत करने का वादा

शफीक अली

दौसा (रॉयल पत्रिका)। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ के निर्देश अनुसार, दौसा जिला अध्यक्ष विजेंद्र गुर्जर ने महवा निवासी उस्मान खान को जिला महासचिव पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर अनेक लोगों ने उस्मान खान को बधाई देकर खुशी व्यक्त की। उस्मान खान ने कहा, "संगठन ने जो जिम्मेदारी मिली है, उसका मैं पूरी तरह से पालन करूंगा। मैं छात्र हितों की रक्षा और संगठन को और मजबूत करने का कार्य करूंगा। मैं अपने सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे इस पद पर नियुक्त करने के लिए समर्थन दिया है।" उस्मान खान ने आगे कहा, "मैं NSUI के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ और जिला अध्यक्ष विजेंद्र गुर्जर का विशेष आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुना। मैं उनके निर्देशों का पालन करने और संगठन को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं।" इस अवसर पर उपस्थित लोगों में NSUI के जिला उपाध्यक्ष राहुल महावर, शाहरुख खान, केशव जायसवाल, समय सिंह टोरडा, मुस्कान बैरवा और अन्य शामिल थे। सभी ने उस्मान खान को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। NSUI के जिला अध्यक्ष विजेंद्र गुर्जर ने कहा, "उस्मान खान की नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी और छात्र हितों की रक्षा में मदद मिलेगी। हम उनसे बहुत उम्मीदें रखते हैं और उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन देते हैं।" उस्मान खान ने कहा, "मैं अपने सभी साथियों से अपील करता हूं कि वे संगठन के साथ मिलकर काम करें और छात्र हितों की रक्षा के लिए आगे आएं। हम मिलकर संगठन को मजबूत बनाएंगे और छात्रों के अधिकारों की रक्षा करेंगे।" इस अवसर पर NSUI के प्रदेश महासचिव ने कहा, "उस्मान खान की नियुक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है और हमें उम्मीद है कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। हम उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन देते हैं।" NSUI के जिला महासचिव उस्मान खान ने कहा, "मैं अपने सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे इस पद पर नियुक्त करने के लिए समर्थन दिया है। मैं संगठन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं और छात्र हितों की रक्षा के लिए काम करूंगा।" क्या आप जानना चाहते हैं कि NSUI की नई कार्यकारिणी में और कौन-कौन से पदाधिकारी शामिल हैं? या आप NSUI के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं?

जिला कारागृह सवाई माधोपुर का औचक निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ द्वारा विचाराधीन प्रकरण सिंगल बेंच सिविल रिट पिटिशन संख्या 11417/2008 में 15 जनवरी 2026 को पारित आदेश की पालना में देवेंद्र दीक्षित जिला एवं सेशन न्यायाधीश सवाई माधोपुर, समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर एवं आशुतोष सिंह आढ़ा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सवाई माधोपुर द्वारा शुक्रवार को जिला कारागृह सवाई माधोपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह के उपाधीक्षक बिहारी लाल से राजस्थान जेल नियम 2022 के अनुसार बंदियो के लिए पीने योग्य पानी की उपलब्धता, पानी के स्रोत, पानी के लिए स्टोरेज टैंक की उपलब्धता एवं उनकी साफ-सफाई, वॉटर एनालिसिस रिपोर्ट, आपातकालीन उद्देश्यों के लिए भूमिगत जल की उपलब्धता, स्नानागार की उपलब्धता एवं उनकी साफ-सफाई, बंदियों के नहाने और कपड़े धोने के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था, कपड़े धोने के लिए डिटर्जेंट और साबुन की सप्लाई, बंदियों के अनुपात में टॉयलेट की उपलब्धता, शौचालय की साफ-सफाई, बैरकों की साफ-सफाई आदि के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान बंदियों की समस्याओं को सुनकर बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु जिला कारागृह के उपाधीक्षक बिहारीलाल को निर्देश प्रदान किए गए, दौराने निरीक्षण चीफ एलएडीसी राधेश्याम जोगी, डिप्टी एलएडीसी वीरेंद्र कुमार वर्मा, असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत, पीएलवी रणवीर चौधरी आदि उपस्थित रहे।

गंदे पानी की निकासी को लेकर एवं दूषित पानी से भरे हुए घड़ो को लेकर पहुंचे नगर परिषद

-आमजन ने किया नगर परिषद का घेराव

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के नागरिकों ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में गन्दे पानी का मटका लेकर शहर के विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव को लेकर नगर परिषद चूरू का घेराव किया गया। आसिफ खान ने बताया कि चूरू शहर के वार्ड नं 21, 30, 42, 18, 03 सहित विभिन्न वार्डो में गन्दे पानी के भराव के कारण आमजन को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जल भराव गन्दे पानी की गेनाणी बन चुकी है जिससे आमजन के घरों में पानी जाने लगा है, आमजन के आवागमन में परेशानी हो रही है, गन्दा पानी बीमारियों का घर बन चुका है व सीवरेज का दूषित पानी बहुत बड़ी समस्या बनी हुई हैं। आमजन गन्दे पानी का मटका लेकर नगर परिषद पहुंची है ताकि प्रशासन को भी पता चले आमजन किस हालात से गुजर रहा हैं। एसी प्रकोष्ठ कांग्रेस जिलाध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कल्ला, अनीश खान, आज़म कुरेशी, विमल ओझा, अमन दाधिच, आमीन खाँ रि. ए एस एम, शब्बीर खाँ, महबूब खान, सुरेंद्र बरोड़, एडवोकेट आबिद हुसैन सहित सैंकड़ो की संख्या में आमजन मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस पर आयोजित ब्लड कैम्प में 65 युवाओं ने किया रक्तदान

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि एवं शहीद दिवस के अवसर पर शुक्रवार 30 जनवरी को बुझावड़ स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक एवं मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मोहम्मद अतीक ने बताया कि हमारे आदर्श एवं देश के मुख्य स्वतंत्रता सेनानी की शहादत दिवस पर यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने एवं गांधीजी के बताये सत्यमार्ग पर चलने के उद्देश्य से ये ब्लड कैम्प आयोजित किया गया। यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान ने बताया कि विश्वविद्यालय की विभिन्न संकायों की फैकल्टी एवं स्टूडेन्ट सहित कुल 65 लोगो ने रक्तदान किया और रक्तदान के प्रति आमजन को जागरूक करने का संकल्प लिया। हिन्दी विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेहाना बेगम ने बताया कि महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यूनिवर्सिटी के सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख उन्हें खिराजे अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। डिपार्टमेन्ट ऑफ पब्लिक हैल्थ के असिस्टेंट प्रोफेसर सलमान खान एवं फैकल्टी ऑफ फिजियोथेरेपी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. समृद्धि सक्सेना ने जानकारी दी कि इस मौके पर एएसजी नेत्र चिकित्सालय की टीम द्वारा निःशुल्क 143 लोगो के आंखों की जांच भी की गई। ब्लड कैम्प में बतौर अतिथि मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी सुपारस भंडारी, पूर्व पार्षद ईदू खान मेहर, पूर्व पार्षद दानिश फौजदार, समाजसेवी रफीक कांग्वा, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सदस्य अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, अब्दुल रहीम मोदी, इशाक गौरी, यूनाईटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल रहीम सांखला, महासचिव अब्दुल रशीद अंसारी, सदस्य जावेद हुसैन ईदगाह, समाजसेवी असद चुंदड़ीगर, इम्तियाज चुंदड़ीगर, आसिफ गौरी, अतीक मोदी सहित आस-पास के क्षेत्र एवं शहर के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कैम्प की सफलता में मुख्य रूप से यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सय्यद मोईनउलहक, साजिद खान जोधाणा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. फरहाना सिद्दीकी, डॉ. सदाकत बशीर, डॉ मुजफ्फर कुरैशी, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद, सोहेब अली, इकबाल खान सहित समस्त स्टाफ एवं स्टूडेन्ट्स का खास सहयोग रहा। एमडीएम व उम्मेद अस्पताल की रक्तकोष टीम एवं एएसजी नेत्र चिकित्सालय टीम का विशेष सहयोग रहा।

मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरीया का चूरू पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

-रेलवे स्टेशन से घर तक पहुंचे रैली के साथ रास्ते में जगह-जगह हुआ स्वागत

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित सिकरीया कॉलोनी वार्ड नंबर 4 के अब्दुल गनी सिकरिया के पोते मुफ्ती मोहम्मद सफीक सिकरीया ने जैसलमेर पोकरण के दारुल मदरसे से मुफ्ती की डिग्री हासिल की जो इस्लाम में मुफ्ती उस उच्च शिक्षित इस्लामी विद्वान या न्यायविद (Jurist) को कहते हैं जो शरिया (इस्लामी कानून) की व्याख्या करने और धार्मिक विषयों पर आधिकारिक राय देने के योग्य हो।

मुफ्ती की मुख्य पहचान और कार्य निम्नलिखित हैं:

फतवा जारी करना: मुफ्ती द्वारा किसी कानूनी या धार्मिक प्रश्न के उत्तर में दी गई औपचारिक राय को 'फतवा' कहा जाता है।

योग्यता: मुफ्ती बनने के लिए कुरान, हदीस, और न्यायशास्त्र (Fiqh) का गहरा ज्ञान होना अनिवार्य है।

मार्गदर्शन: वे निकाह, तलाक, विरासत और अन्य व्यक्तिगत या सामाजिक मामलों में मुस्लिम समुदाय का मार्गदर्शन करते हैं।

सर्वोच्च पद: किसी देश या क्षेत्र के सबसे बड़े मुफ्ती को 'ग्रैंड मुफ्ती' कहा जाता है। इस्लाम में मुफ्ती का ओहदा बेहद जिम्मेदारी और इल्म वाला होता है। मुफ्ती वह विद्वान होता है जिसे इस्लामी कानून (शरीयत) में महारत हासिल होती है और वह कुरान व हदीस की रोशनी में नए और पेचीदा मसाइल (मुद्दों) पर कानूनी राय यानी 'फतवा' देने का अधिकार रखता है [1]। मुफ्ती बनने के लिए केवल आलिम होना काफी नहीं, बल्कि उसे इफ्ता के उसूलों की गहरी समझ होनी चाहिए [1]। एक मुफ्ती का काम समाज को धार्मिक मार्गदर्शन देना और रोजमर्रा की समस्याओं का शरिया के मुताबिक हल बताना है। जबकि एक 'काजी' (न्यायाधीश) का फैसला लागू करना अनिवार्य होता है, मुफ्ती की राय एक धार्मिक सलाह होती है जिसे लोग अपनी आस्था के आधार पर मानते हैं [1]। सुन्नी इस्लाम में मुफ्ती-ए-आजम का पद सबसे ऊंचा माना जाता है, जो पूरे मुल्क के लिए मजहबी रहनुमाई का काम करता है।

मुफ्ती मोहम्मद शफीक के पिता मोहम्मद रफीक सिकरीया ने बताया कि हमारे तेली समाज में इसे पहले मेरे भाई हाफिज मोहम्मद फारूक ने भी हाफिज की डिग्री हासिल कर कोम तेलियांन का नाम रोशन किया और आज मेरे बेटे ने मुफ्ती बनकर समाज कोम तेलीयान को नई दिशा दी है। हमारे लिए बहुत ही फक्र की बात है। हमारे समाज में शिक्षा का अभाव था। लेकिन आज दिन और दुनिया की दोनों शिक्षाओं को अहमीयत दी जा रही है। समाज में खुशी की लहर है आज मुफ्ती बनकर मेरा बेटा जब शहर में पहुंचा तो रेलवे स्टेशन से लेकर घर तक समाज व अन्य लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया और रैली के रूप में घर तक लेकर आए रास्ते में जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया। नई सड़क पर तुगलक स्टोन की तरफ से साजिद तुगलक ने फूल मालाओं से स्वागत किया एवं गौरी इलेक्ट्रॉनिक के आगे हारून गौरी, जाकिर गौरी द्वारा स्वागत किया गया। मोहम्मदी चौक पर समाज की ओर से स्वागत किया गया। मस्जिद तेलियान, मदीना मस्जिद, तौकीर उलूम, बादशाह कॉलोनी, तुगलक नगर, सिकरिया कॉलोनी, पहुंचे रास्ते में जगह-जगह मोहल्ले वासियों ने स्वागत किया। इस मौके पर चाचा मुबारक सिकरीया, हाफिज मोहम्मद फारूक, मकसूद मंडावरिया, मोहम्मद समीर मंडावरिया, सोहेल चौहान आदि उपस्थित रहे। एवं सभी का आभार जताया।

रिडमलसर में वीबी जी-राम-जी योजना को लेकर जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

-सुरेंद्रपाल सिंह टीटी ने की अध्यक्षता

विनोद सोखल

श्रीकरणपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र के रिडमलसर में वीबी जी-राम-जी योजना को लेकर जिला स्तरीय बैठक का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी ने की। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह मान एवं लोकसभा प्रत्याशी प्रियंका बलान की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच पर पूर्व विधायक लालचंद मेघवाल, पूर्व विधायक बलवीर लूथरा, पूर्व जिला प्रमुख कविता, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़, वीबी जी-राम-जी योजना के संयोजक रामप्रकाश गोदारा सहित जिले के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। बैठक के दौरान कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार का कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मनरेगा को समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि इसे और अधिक प्रभावी बनाते हुए वीबी जी-राम-जी योजना के रूप में लागू किया गया है। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण रोजगार को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बजट को ₹1,00,000 करोड़ से बढ़ाकर ₹1,51,000 करोड़ किया गया है। साथ ही अब लाभार्थियों को 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए टोल-फ्री नंबर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। वक्ताओं ने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी विकास की राजनीति में विश्वास रखती है, जबकि भ्रम एवं असत्य प्रचार का जनता लगातार खंडन कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस मौके पर भाजपा श्रीगंगानगर जिला मंत्री जसकरण सिंह सरा, काजल छाबड़ा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सूरतगढ़, कलावती जिला मंत्री श्रीगंगानगर, कविता रेगर पूर्व जिला प्रमुख, बिरमा नायक पूर्व प्रधान, डॉक्टर बिंदिया चौधरी जिला मंत्री, आरती शर्मा जिला उपाध्यक्ष, शिव प्रकाश तेहरपुरिया जिला उपाध्यक्ष, संतोष बावरी पूर्व विधायक अनूपगढ़, चेष्टा सरधना जिला उपाध्यक्ष, राजेंद्र मंडा, साधुराम गोड सरपंच बींझबायला, भागीरथ सुथार भाजपा नेता, पूर्व सरपंच 39 एलएनपी मनीराम नायक, महावीर बिश्नोई पूर्व सरपंच, प्रतीक दहिया सरपंच रतनपुरा, प्रेम झटवाल ब्लॉक अध्यक्ष, उग्रसेन भुकर घमूड़वाली, भादर चंद्र नारंग, सहित भाजपा नेता व ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

खेल प्रकोष्ठ में संगठन विस्तार, अजीम खान चिनायटा बने जिला उपाध्यक्ष

हनीस शेख, कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान के निर्देश पर करौली जिला अध्यक्ष पुनः सिंह मीणा ने जिला कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) की कार्यकारिणी का विस्तार किया है। इस क्रम में चिनायटा निवासी अजीम खान चिनायटा को करौली जिले का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा गया। अजीम खान चिनायटा की नियुक्ति पर करौली जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, करौली के पूर्व विधायक लाखन सिंह कटकड, हिंडौन विधायक अनीता जाटव, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिला अध्यक्ष अब्दुल मुग्नी खान, लखनलाल मीणा सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। इस अवसर पर अजीम खान चिनायटा ने प्रदेश नेतृत्व, जिला अध्यक्ष और सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

गाँधी नाम को मिटाया जा सकता मगर गाँधी विचार को कोई भी ताकत खत्म नहीं कर सकती- विनोद जैन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गाँधी की पुण्य तिथि पर महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति एवं महात्मा गाँधी विचार मंच के तत्वाधान में महात्मा गाँधी एवं वर्तमान हालात विषय पर संगोष्ठी का आयोजन मण्डी रोड स्थित संस्था के कार्यालय पर किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता गाँधी दर्शन समिति के जिला संयोजक व गाँधी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जैन, गाँधी विचार मंच की उपाध्यक्ष खुशबु शर्मा, व गाँधी विचार मंच की टोंक जिला संयोजक सुनीता जैन रहे। इस दौरान संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विनोद जैन ने कहा की आज जहाँ विदेशों में महात्मा गाँधी के विचारों को विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जा रहा है। वही गांधी जी के देश मे गाँधी जी को खत्म करने का असफल प्रयास किया जा रहा, जो लोग गाँधी जी को समाप्त करने की कोसिस कर रहे है उनसे कहना चाहता हु की वे भले ही गाँधी जी के नाम को मिटा दे या फिर कंही से हटा दे। मगर गाँधी एक नाम नहीं अपितु विचार धारा है जिसे कोई भी ताकत खत्म नहीं कर सकती गाँधी जी के विचार भारत देश की आत्मा मे बसते है। इसी प्रकार गाँधी विचार मंच की प्रदेश उपाध्यक्ष खुशबु शर्मा ने संगोष्ठी मे गाँधी दर्शन पर प्रकाश डालते हुए बताया की जल्दी ही सवाईमाधोपुर जिले के गांव गांव ढाणी ढाणी मे महात्मा गाँधी पाठशालाए खोली जाएगी जिसमें भारत के महापुरुषों का गौरवमय इतिहास के साथ व्यायाम व संस्कार परक शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसमें 14 वर्ष तक के बालक बालिकाएं भाग लेंगी और इन पाठशालाओं के संचालन हेतु प्रत्येक ग्राम से एक एक गाँधी मित्र का चयन किया जायेगा। इसी प्रकार टोंक संयोजक श्रीमति सुनीता जैन ने बताया की इन पाठशालाओं मे बालिकाओं को आत्म रक्षा के गुरु भी सिखाये जायेंगे, संगोष्ठी मे महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति के जिला युवा सह संयोजक गुरुवचन वाल्मिकी, महिला सह संयोजक चंद्रकला सैनी, जाकिर शाह, मनीष जैन, शंकर लाल सैनी, अनुज कुमार गौत्तम, कुदुस खान ललित अग्रवाल विजय तालचिड़िया बृजमोहन सिसोदिया,तूफान सिंह पंवार, देविशंकर बैरवा, रामोतार मीणा, रामखिलाडी मीणा, सुरेंद्र सैनी, सांवलराम मीणा जस्टानाराजेश साहू, महावीर सैनी, सुनीता करणावत, सुनील जैन, रामरतन नामा ,बलवीर बैरवा,सहित गाँधी दर्शन के लोगो ने भाग लिया। संगोष्ठी का संचालन महात्मा गाँधी जीवन दर्शन समिति के जिला सह संयोजक व गाँधी विचार मंच के प्रदेश महामंत्री संतोष स्वामी एडवोकेट ने किया।

जरूरतमंद बुजुर्गों को कंबल एवं छात्र-छात्राओं को ऊनी जर्सियाँ बांटी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अहसास सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सवाई माधोपुर द्वारा आज सांयकाल मोर डूंगरी, हिन्दवाड़ से विस्थापित परिवारों के निवास स्थल ग्राम तिलकनगर, सवाई माधोपुर में जरूरतमंद बुजुर्गों को 20 कंबल तथा छात्र-छात्राओं को 70 ऊनी जर्सियाँ वितरित की गईं। जर्सियाँ प्राप्त कर बच्चों के चेहरों पर खुशी, संतोष एवं उत्साह स्पष्ट रूप से झलकता नजर आया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सोहेल अनवर, उपाध्यक्ष डॉ. आरती सिंह भदौरिया, जावेद अनवर, अल्ताफ नूर, दानिश, हरसहाय जागा, ममता, अनेक ग्रामवासी पुरुष एवं महिलाएँ तथा वन विभाग के फॉरेस्ट गाइड आदि उपस्थित रहे।

"वंदे मातरम् 150 वर्ष: विकसित भारत, अन्नदाता का मान, श्रम शक्ति का सम्मान" विषय पर मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का समापन

-प्रदर्शनी का समापन सांसद पी पी चौधरी ने किया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही द्वारा राजकीय बांगड़ पी.जी. महाविद्यालय, पाली परिसर स्थित सेमिनार हॉल में 29 से 30 जनवरी तक आयोजित दो दिवसीय "वंदे मातरम् 150 वर्ष : विकसित भारत, अन्नदाता का मान, श्रम शक्ति का सम्मान" विषय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का समापन सांसद पी पी चौधरी के मुख्य आतिथ्य मे किया गया। समापन अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी, उपाध्यक्ष देवी लाल मेघवाल, नारायण लाल कुमावत, जिला प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी, राहुल मेवाडा, इंडिया पोस्ट पेमेंट के एजीएम प्रशांत शिंदे, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक कैलाश नारायण लाल मीणा, उप जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वेदान्त गर्ग, अतिरिक्त विकास अधिकारी मनोज भाटी, बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरभि चौहान महाविद्यालय उपप्राचार्य डॉ संगीता आर्य, सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित वंदे मातरम् के 150 वर्ष तथा केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पैनलों एवं विभिन्न स्टॉलो का अवलोकन किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद पी. पी. चौधरी ने कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने का जश्न ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्र को एकजुट करने वाली भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। जो किसान आर्थिक तंगी के कारण खाद और बीज नहीं खरीद पा रहे थे, वे इस योजना के माध्यम से अब आसानी से खाद-बीज खरीद पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से पूरी राशि

सीधा लाभार्थियों के खाते में पहुँच रही है। उन्होंने भारत के नए श्रम कानून, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर भी जानकारी प्रदान की। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के सहायक मुख्य प्रबंधक प्रशांत शिंदे ने डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे मे जानकारी प्रदान की। अग्रणी जिला प्रबंधक कैलाश नारायण मीणा ने बैंकिंग व सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के बारे मे जानकारी प्रदान की। उप जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वेदान्त गर्ग ने कुष्ठ रोग निवारण दिवस के महत्व के बारे मे युवाओं को जानकारी प्रदान की। उन्होंने दर्शकगण को कुष्ठ रोग निवारण दिवस के अवसर पर शपथ भी दिलाई। अतिरिक्त विकास अधिकारी मनोज भाटी ने विकसित भारत जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान व पंचायत राज विभाग की योजनाओं के बारे मे जानकारी प्रदान की। सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही गणपत सिंह देवडा, वरिष्ठ योगाचार्य, सिरोही भीक सिंह भाटी ने युवाओं को स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या, योग व प्राणायाम के महत्व पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने वंदे मातरम 150 वर्ष के महत्व पर विचार रखे। कृषि अधिकारी जय नारायण ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड, बालिकाओं के लिए स्कालरशिप, बूंद बूंद सिंचाई योजना, लघु सीमांत किसानों के लिए तारबंदी योजना के बारे मे जानकारी प्रदान की। भारतीय डाक विभाग के जनसम्पर्क निरीक्षक वैभव त्रिवेदी ने सुकन्या समृद्धि योजना, पी.एल. आई., इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, आवर्ती जमा (आरडी.) आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सिरोही के प्रभारी अधिकारी फूलचंद गहलोत ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के बारे मे जानकारी प्रदान की। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, डूंगरपुर के प्रभारी अधिकारी नरेश कुमार बैरवा ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण का केन्द्र-

प्रदर्शनी के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। लीला देवी पार्टी, पाली द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से योजनाओं का संदेश दिया गया। प्रदर्शनी स्थल पर डाक विभाग, बैंक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा आयुर्वेद विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी मे विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महिला-पुरुषों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरभि चौहान, वित्तीय साक्षरता समन्वयक देवेन्द्र कुमार जोशी, भूराराम पटेल सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन मे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के जिला समन्वयक नंद लाल शर्मा का सराहनीय सहयोग रहा।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाने वाले धावक मोहित सिंह हाडा का भव्य स्वागत किया

बारां (रॉयल पत्रिका) । वार्ड पार्षद और शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज के नेतृत्व में बारां जिले का एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाने वाले धावक मोहित सिंह हाडा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। गत दिनों 26 जनवरी के दिन जिले के खेल संकुल मैदान में निरंतर 26 घण्टे की दौड़ लगाकर मोहित सिंह ने अपना ही नहीं अपितु बारां जिले, राज्य और भारत देश के नाम रोशन किया है। शिवाजी कॉलोनी क्षेत्र के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में मोहित सिंह के सम्मान में जोरदार आतिशबाजी कर फूल माला पहनाकर धावक का स्वागत सम्मान किया गया। इस मौके पर जनप्रतिनिधि प्रशांत भारद्वाज ने बताया कि मोहित सिंह हमारे बारां जिले की शान है जो भविष्य में भारत की आने वाली पीढ़ियों को खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी। इस मौके पर खेमराज सिंह, पुष्पेंद्रसिंह सिसोदिया, रविन्द्र सिंह मिसाई, वीरू शर्मा, बुद्धि नागर, भरत मालवीय, खेमराज मालव, घनश्याम गोस्वामी, विशाल मंगल, ओम यादव, ऋतिक शर्मा, सिप्पू सेन, गौरीशंकर शर्मा, जीतू नारेड़ा,

विमल मेहता, जसवंत सिंह आदि क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

खेल प्रकोष्ठ में बड़ा फेरबदल, सोनू अब्बासी बने कोटा शहर जिला अध्यक्ष

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के संगठन की मजबूती के लिए एक बड़ा निर्णय लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर सोनू अब्बासी को खेल प्रकोष्ठ, कोटा शहर का नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने सोनू अब्बासी की नियुक्ति का पत्र जारी कर उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से नवाजा है। पार्टी नेतृत्व ने यह विश्वास जताया है कि सोनू अब्बासी अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाते हुए खेल प्रकोष्ठ को सक्रिय करेंगे

और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए सोनू अब्बासी को माला पहनाकर और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर जोरदार स्वागत किया।

राजकीय बागला विद्यालय के चयनित विद्यार्थियों का भ्रमण दल रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत चोटिया ने हरी झंडी दिखाकर पीएमश्री राजकीय बागला विद्यालय के चयनित विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण स्थल पिलानी के लिए रवाना किया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सूर्यकांत चोटिया ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के प्रति सजगता उत्पन्न होती है तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। दल प्रभारी गायत्री प्रजापत ने बताया कि प्रधानाचार्य बबीता सैनी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत

एकदिवसीय भ्रमण हेतु विद्यालय के विज्ञान व गणित उत्कृष्ट शीर्ष पचास विद्यार्थियों का चयन किया गया जिनको पिलानी के बिट्स कैंपस, म्यूजियम, आदित्य बिड़ला मेमोरियल और पंचवटी क्षेत्र में भ्रमण करवाया गया। व्याख्याता विनय सोनी ने बताया कि विद्यार्थियों के वैज्ञानिक, अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण की जानकारी वाले इस शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों में नव कौशल, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी विषय के प्रति रूचि और समझ का विकास होता है। इस दौरान अशोक कुमार ने बिट्स लाइब्रेरी का अवलोकन करवाया। विकास सोनी, राकेश ने सेंट्रल वर्कशॉप में प्रौद्योगिकी में कंप्यूटराइज्ड मशीनों की कार्यप्रणाली के बारे में बताया।भ्रमण में व्याख्याता अभिलाषा और निखिल ने विद्यार्थियों को क्षेत्र की पर्यावरण और सांस्कृतिक जानकारियां दी गई।

रात्रि चौपाल में जिला कलक्टर ने आत्मीय भाव से सुनी समस्याएं

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने गुरूवार रात को कोटड़ी सूंड़ा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्रामीणों के बीच रात्रि चौपाल लगाते हुए आत्मीय भाव से आम जीवन से जुड़ी समस्याओं सहित जमीनी विवाद और मुआवजे संबंधी परिवेदनाएं सुनते हुए अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए। बारं पंचायत समिति की कोटड़ी सूंड़ा ग्राम पंचायत भवन परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखी। चौपाल में प्राप्त प्रकरणों में से कई का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। चौपाल में प्रधान मोरपाल सुमन, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, उपखंड अधिकारी विश्वजीत सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

बाबूलाल को मिलेगी ट्राई साइकिल और पेंशन

रात्रि चौपाल में दोनों पैर कट जाने के कारण दिव्यांग बाबूलाल ने पहुंचकर जिला कलक्टर के सामने फरियाद रखी। जिला कलक्टर ने मामले को संजीदगी से लेते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारी शुभम नागर को फरियादी को अविलंब ट्राई साइकिल और पेंशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही सीएमएचओ संजीव सक्सेना को निर्देश देकर मौके पर ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनवाया। बाबूलाल को शीघ्र ही कृत्रिम पैर भी लगवाए जाएंगे।

जिला कलक्टर तोमर ने चौपाल में फसल खराबे के मुआवजे

को लेकर प्राप्त प्रकरणों के संबंध में कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में सर्वाधिक सौ करोड़ रूपए फसल मुआवजे के लिए मात्र तीन माह की अवधि में स्वीकृत कर दिए है। जो प्रभावित किसानों के बैंक खातों में आना प्रारंभ हो गए हैं। शीघ्र ही सभी पात्र कृषकों को यह राशि प्राप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मुआवजे के लिए 33 फीसदी से ज्यादा फसल खराबे वाले किसान यदि अभी भी आवेदन करने से वंचित रह गए है तो वे शीघ्र ही पटवारी के पास आधार कार्ड जमा करवाकर आवेदन कर सकते है। चौपाल में कोयला से कल्याणपुरा सड़क मार्ग का कार्य ढ़ाई वर्ष से अधुरा रहने की शिकायत पर जिला कलक्टर ने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता हुकमचन्द मीणा को टेण्डर वापसी के साथ ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करने का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। पेयजल आपूर्ति शुरू करने की मांग पर जिला कलक्टर ने पीएचईडी के अधिकारियों को 15 फरवरी तक की अवधि में जल कनेक्शन का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। चौपाल में छीपाबड़ौद के रूपपुरा से पहुंचे परिवादियों की सड़क संबंधी समस्या को लेकर भी जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान महलपुर ईआरसीपी परियोजना में डूब क्षेत्र व रास्ता कटने के कारण प्रभावित घरों के मुआवजे के लिए प्राप्त प्रकरणों में जिला कलक्टर ने इसके लिए अनुषंसा भिजवाकर राहत दिलवाने का भरोसा दिलवाया। ग्रामीण रामचरण की जमीन पर अतिक्रमण के मामले में तहसीलदार को शीघ्र ही कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने किसान सम्मान निधि योजना में आवेदन करने से वंचित कृषकों की मौके पर ही एफआरसी करने के निर्देश दिए। रामगोपाल की फरियाद पर चरागाह भूमि पर अतिक्रमण के कारण खेत पर जाने का रास्ता बंद हो जाने की शिकायत पर तहसीलदार को अविलंब रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए। चौपाल में खेल मैदान के सीमा ज्ञान, कोटड़ी सूंडा से मानपुरा तक सड़क निर्माण, आवसीय पट्टे बनाने सहित विभिन्न प्रकरण प्राप्त हुए। जिन पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया।

ग्रामीणों ने जताया संतोष

रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान एवं बुजुर्ग भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन द्वारा समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई करने के प्रयासों की सराहना की।

अवैध बायोडीजल पर पुलिस का शिकंजा, रसद विभाग 12 घंटे बाद भी गायब

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/पीलीबंगा (रॉयल पत्रिका)। हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा क्षेत्र में अवैध बायोडीजल के गोरखधंधे पर पीलीबंगा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतमाला रोड पर एक पिकअप वाहन को पकड़ा। पिकअप में अवैध रूप से बायोडीजल सप्लाई करने के लिए पंप लगाया गया था, जिससे ट्रक चालकों को खुलेआम बायोडीजल बेचा जा रहा था। सूत्रों के अनुसार यह पिकअप लंबे समय से भारतमाला रोड पर ट्रक चालकों को अवैध बायोडीजल की सप्लाई कर रही थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर पीलीबंगा थाने में खड़ा करवा दिया। हैरानी की बात यह है कि पुलिस कार्रवाई के 12 घंटे बीत जाने के बावजूद रसद विभाग की टीम अब तक मौके या थाने पर नहीं पहुंची। इससे रसद विभाग की लापरवाही और उदासीनता एक बार फिर उजागर हो गई है। गौरतलब है कि इससे पहले भी अवैध बायोडीजल के मामलों में रसद विभाग की बजाय पुलिस को ही मोर्चा संभालना पड़ा, जिससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर रसद विभाग की नजरें ऐसी अवैध गतिविधियों पर क्यों नहीं पड़तीं? पीलीबंगा पुलिस की इस सख्त कार्रवाई ने अवैध बायोडीजल कारोबारियों में हड़कंप मचा दिया है, वहीं रसद विभाग की भूमिका पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जनसम्पर्क कार्यालय में नरपतसिंह को दी भावपूर्ण सेवानिवृत्ति विदाई

पाली (रॉयल पत्रिका) । जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय पाली में सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद पर कार्यरत नरपतसिंह को शुक्रवार को 60 वर्ष की अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर कार्यालय अधिकारियों एवं स्टाफ द्वारा भावपूर्ण सेवानिवृत्ति विदाई दी गई। नरपतसिंह ने जनसम्पर्क विभाग में लगभग 30 वर्षों तक अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभाग पाली के सहायक निदेशक सौरभ सिंगारिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नरपतसिंह की निष्ठापूर्ण कार्यशैली, ईमानदारी तथा कार्यालय समय के प्रति अनुशासित रहने की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका तीन दशक का सेवाकाल विभाग के लिए प्रेरणादायी रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ अध्यापक नरेन्द्रसिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संचालन किया। कार्यक्रम में पाली

मीडिया क्लब के अध्यक्ष शेखर राठौड़ सहित ओम चतुर्वेदी, जितेन्द्र कच्छवाह, मोहम्मद यासीन, भारत भूषण जोशी, रविन्द्र सोनी, सिकन्दर खां, शरद भाटी, मनीष, जितेन्द्र पारसवानी उपस्थित रहे। साथ ही जनसम्पर्क कार्यालय के सूचना सहायक युगल किशोर, कनिष्ठ सहायक जगदीश मीणा, हेमन्त कुमावत, कपिल शर्मा, गजेन्द्रसिंह तथा श्रीमती जीवीदेवी सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ...

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी सहित अधिकारियों ने शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को किया याद

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर शहीद दिवस पर शुक्रवार को जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम अर्पिता सोनी सहित अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन ने पुराने कलक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी प्रतिमा स्थल पर सूत की माला पहनाकर व पुष्प अर्पित कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं रामधुनी का आयोजन कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया गया। इस मौके पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार हमारे आचरण, प्रशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए मार्गदर्शक हैं। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, सद्भाव और नैतिकता के माध्यम

से विश्व को नई दिशा दी। आज के समय में उनके विचार सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए और भी प्रासंगिक हैं।उपस्थित सभी ने मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद करते हुए के सत्य, अहिंसा और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस दौरान गायक राजेंद्र चौबे, लक्ष्मी शर्मा, नीना भारती, प्रभुदयाल सैनी ने 'तू ही राम है, तू रहीम है...', 'वैष्णव जन तो तेने कहिए...' सहित महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर सीडीईओ संतोष महर्षि, जिला युवा अधिकारी मधु यादव, तहसीलदार अशोक गोरा, डॉ हेमंत मंगल, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल, दुलाराम सहारण, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, नेमीचंद जांगिड़, विकास मील, नीरज जांगिड़, एसीबीईओ सूर्यकांत चोटिया, स्काउट सीओ महिपाल सिंह, अशोक, सूर्यकांत चोटिया, मनीष राठौड़ सहित अधिकारी, कर्मचारी, एनसीसी व कॉलेज के छात्रा-छात्राएं मौजूद रहे।

सामाजिक सरोकारों के तहत गांव सातडा में प्रबुद्धजनों का सम्मान

चूरू/सातडा (रॉयल पत्रिका) । सामाजिक सरोकार के तहत गांव सातड़ा में अनूठी पहल पूर्व प्रधान रणजीत सातड़ा की प्रेरणा से सर्राफ परिवार द्वारा पारंपरिक वेशभूषा धारण करने वाले तथा मंदिर एवं गोगामेड़ी में सेवारत् तथा समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपना उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने वाले लोगो का शॉल ओढ़ाकर व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में हमेशा उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने वालें समाजसेवी स्वर्गीय नौरंग जी राय के सुपुत्रो व पोत्रो लालचंद सर्राफ, जगदीश सर्राफ, पवन सर्राफ, गोपाल सर्राफ, राहुल सर्राफ का भी इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर पंचायत के उप सरपंच दानाराम मेघवाल, लक्ष्मणराम न्यौल, राधेश्याम न्यौल, एनएसयुआई कार्यकारी जिलाध्यक्ष नापत रोलण, सुखदेव न्यौल, मुनीष कड़वासरा, सुरेन्द्र गर्ग, गीयाराम न्यौल, प्यारेलाल, राजपाल, प्रभुराम, रविन्द्र, नवीन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश सातड़ा ने किया। पूर्व प्रधान रणजीत सातडा ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंडिया एनर्जी वीक 2026 में थिंक गैस वृद्धि

गैस आधारित गतिशीलता और शहरी ऊर्जा परिवर्तन पर प्रकाश डालेगी

गोवा/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों में से एक थिंक गैस, इंडिया एनर्जी वीक 2026 में हिस्सा लेकर भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और शहरी एवं अर्ध-शहरी बाजारों में गैस आधारित आधारभूत ढांचे के विस्तार को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराने जा रही है।

आगंतुक हॉल नंबर 2, स्टॉल 2एफ18 पर थिंक गैस की टीम से बातचीत कर सकत हैं जहां यह कंपनी अपनी एकीकृत सीजीडी क्षमताओं, वृद्धि की रूपरेखा एवं सभी सीएनजी, पीएनजी और एलएनजी आधारभूत ढांचे में ग्राहक केंद्रित सॉल्यूशंस प्रदर्शित करेगी।

थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिलाष गुप्ता इस दौरान एक रणनीतिक सम्मेलन सत्र के दौरान एक वक्ता के तौर पर ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में सीजीडी की भूमिका और कम उत्सर्जन वाली गतिशीलता को समर्थ बनाने और भारत की दीर्घकालीन डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों में सहयोग इसकी भूमिका पर अपना दृष्टिकोण

साझा करेंगे।

थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिलाष गुप्ता ने कहा, इंडिया एनर्जी वीक राष्ट्रीय ऊर्जा की गाथा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में उभरा है। हमारे ब्राडों के सफल एकीकरण के बाद, थिंक गैस आज सिटी गैस ढांचे को कुशलता और जिम्मेदारी के साथ विस्तार देने की अनूठी स्थिति में है। हमारा जोर स्वच्छ ईंधन तक लोगों की पहुंच बढ़ाने, लचीला नेटवर्क तैयार करने और ग्राहकों और ऊर्जा पारितंत्र को दीर्घकालीन मूल्य प्रदान करने पर बना हुआ है।

इस आयोजन में मौजूद थिंक गैस की लीटरशिप टीम में चेयरमैन अमितव सेनगुप्ता, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर एवं प्रमुख (वाणिज्यिक) विनुकुमार बालकृष्णन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर चिरदीप दत्ता, और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर निशांत नेहरू शामिल होंगे । साथ ही सीईओ - थिंक एलएनजी इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड संदीप त्रेहन भी मौजूद थे । यह लीडरशिप टीम नीति निर्माताओंस उद्योग के साथियों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और निवेशकों के साथ क्षेत्रवार प्राथमिकताओं, नीति की रूपरेखा और क्रियान्वयन चुनौतियों पर बातचीत करेगी।

इंडिया एनर्जी वीक 2025 में एजीएंडपी प्रथम और थिंक गैस ने अपने ब्रांडों का विलय कर एक एकीकृत पहचान- थिंक गैस करने की घोषणा की थी। यह समेकित ब्रांड अब भारत के 10 प्रतिशत भूभाग में 10 राज्यों के 49 जिलों में परिचालन करती है जिसमें 100 मिलियन से अधिक लोगों को सेवाएं देने की संभावना है। इस एकीकरण का उद्देश्य परिचालन दक्षता का उपयोग करना, परियोजना क्रियान्वयन में तेजी लाना और सीजीडी क्षेत्र में बाजार में पहुंच का दायरा बढ़ाना था।

थिंक गैस स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने और राष्ट्रीय ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने की भारत की महत्वाकांक्षा में सहयोग प्रदान करने में निरंतर एक अहम भूमिका निभा रही है।

सागर के निवासियों की प्रमुख चिंताएं बनीं वैश्विक युद्ध, स्वास्थ्य संकट और मानसिक तनाव

सागर, एजेंसी। भारत में वित्तीय दबाव, स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं, जीवनशैली से जुड़ी चुनौतियों और व्यापक सामाजिक व भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण अनिश्चितता का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। राष्ट्रीय अ-निश्चित इंडेक्स 79 है, जो यह दर्शाता है कि आर्थिक प्रगति के बावजूद वित्तीय तैयारी, स्वास्थ्य सेवाओं की वहन क्षमता, मानसिक संतुलन और दीर्घकालिक स्थिरता को लेकर लोगों की चिंताएं बनी हुई हैं। सागर का अ-निश्चित इंडेक्स 77 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय औसत से थोड़ा कम है और यह दर्शाता है कि यहां के निवासियों में अपेक्षाकृत अधिक निश्चिंतता है। हालांकि, शहर की अनिश्चितता का स्वरूप वैश्विक, स्वास्थ्य और सामाजिक चिंताओं के विशिष्ट मिश्रण से बना है। प्रमुख चिंताओं में यह आशंका शामिल है कि वैश्विक युद्ध या अंतरराष्ट्रीय संघर्ष देश की अर्थव्यवस्था और महंगाई को प्रभावित कर सकते हैं, नए वायरस प्रकोप का डर बना हुआ है, तथा आसपास के क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अन्य चिंताओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं, साथियों और सोशल मीडिया के प्रभाव से उत्पन्न जीवनशैली का दबाव तथा धार्मिक या सामाजिक तनाव से सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका शामिल है। ये चिंताएं उन जोखिमों को दर्शाती हैं जो व्यक्ति के नियंत्रण से बाहर हैं–जैसे भू-राजनीतिक अस्थिरता, सार्वजनिक सुरक्षा और बीमारी का फैलाव–और साथ ही व्यक्तिगत दबाव, जैसे जीवनशैली खर्च और बढ़ती जीवन यापन लागत। शहर-स्तर के आंकड़े यह दिखाते हैं कि वित्तीय गहराई चिंता कम करने में अहम भूमिका निभाती है। जैसे-जैसे सामाजिक-आर्थिक स्तर नीचे जाता है, अनिश्चितता बढ़ती जाती है। एसईसी-सी वर्ग में अनिश्चितता सबसे अधिक (81) रही, इसके बाद एसईसी-बी (78) और एसईसी-ए वर्ग में सबसे कम (71) दर्ज की गई। बीमा स्वामित्व का भी सकारात्मक प्रभाव देखा गया।

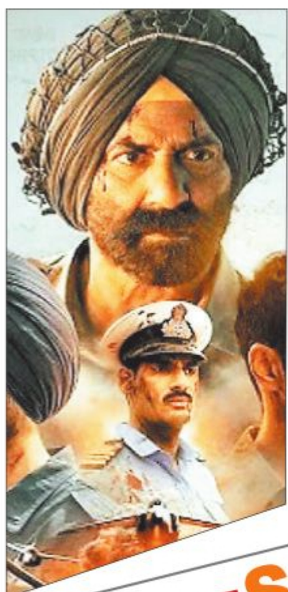

पांचवें दिन 200 करोड़ रुपए पार हुई बॉर्डर-2

मुंबई। 23 जनवरी को फिल्म 'बॉर्डर 2' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी। तब से ही फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। छह दिनों में ही फिल्म का कलेक्शन 200 करोड़ के पार हो गया है। कमाई के मामले में पहले दिन से यह फिल्म 'धुरंधर' का रिकॉर्ड तोड़ रही है। सनी देओल और वरुण धवन की मल्टीस्टारर फिल्म 'बॉर्डर 2' बॉक्स ऑफिस पर हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। मंगलवार पांचवें दिन इस फिल्म ने 20 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। वहीं, निर्माता ने बॉर्डर-3 बनाने की घोषणा की है।

लाइफ Style

रानी
मां को पिता पर आवाज उठानी चाहिए

रानी मुखर्जी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रानी मुखर्जी कहती हैं कि पत्नियों को अपने पति पर आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अब आदित्य से ये मत पूछिएगा कि उनके साथ घर में क्या होता है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

रानी मुखर्जी ने हाल ही में एक बयान दिया है। इस बयान की वजह से कुछ लोग सोशल मीडिया पर रानी मुखर्जी को टारगेट कर रहे हैं। रानी मुखर्जी बता रही थीं कि कैसे लड़कों का व्यवहार इस चीज पर निर्भर करता है कि उनके घरों में उनके पिता उनकी मां के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। इस बारे में बात करते हुए रानी मुखर्जी ने कहा कि पत्नियों को अपने पति पर आवाज उठानी चाहिए। रानी मुखर्जी का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो पर रानी मुखर्जी को लोग टारगेट भी कर रहे हैं। एक बातचीत में रानी मुखर्जी ने कहा, 'मुझे लगता है सम्मान घर से शुरू होता है। बहुत आसानी से, जब आप अपने घर पर अपनी मां के साथ बुरा व्यवहार होते देखते हैं, तो लड़के ये सोचने लगते हैं कि अगर मेरी मां के साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है तो हर लड़की को इस तरह से ट्रीट किया जा सकता है। मुझे लगता है कि पिता को जिम्मेदार होना चाहिए कि वो अपनी पत्नी को कैसे ट्रीट करते हैं, क्योंकि लड़के वही देखते हुए बड़े होते हैं। अगर आपकी मां को अच्छी तरह ट्रीट किया जाएगा, अगर उन्हें सम्मान मिलता है, लड़कों को समझ आएगा कि लड़कियों का सम्मान करना चाहिए।

हॉलीवुड मसाला

अर्नोल्ड वोस्लू का साउथ में डेब्यू...

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा जल्द ही फैंस को एक नया तोहफा देने वाले हैं। उनकी नई फिल्म का नाम 'रणबाली' है, जिसमें वे रश्मिका मंदाना के साथ लीड रोल में नजर आएंगे। टीजर में विजय देवरकोंडा बड़े पावरफुल और इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म में एक्शन, इमोशंस और पीरियड ड्रामा का शानदार कॉम्बिनेशन होगा। सबसे खास बात यह है कि हॉलीवुड की मशहूर फिल्म द ममी के विलन अर्नोल्ड वोस्लू इस फिल्म से साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं।

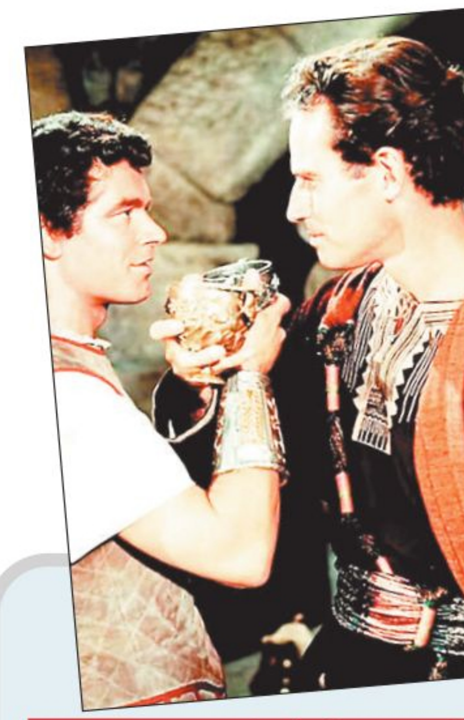

67 साल पुरानी वो फिल्म, जिसने जीते सबसे ज्यादा ऑस्कर अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'बेन-हर' 18 नवंबर, 1959 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें चार्लटन हेस्टन, स्टीफन बॉयड, जैक हॉकिन्स, हाया हरारीत और ह्यू ग्रिफिथ लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म ल्यू वालेस का नॉवेल 'बेन-हरः ए टेल ऑफ द क्राइस्ट' पर आधारित है। फिल्म का बजट $15.2 मिलियन (लगभह 126 करोड़) था और बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई $146.9 मिलियन (लगभग 1,220 करोड़) हुई। कमाल की बात ये उस दौर में इस फिल्म का ये रिकॉर्ड कोई फिल्म ने तोड़ पाई थी, लेकिन 38 साल बाद यानी 1997 में 'टाइटैनिक' ने 11 ऑस्कर जीतकर 'बेन-हर' का ये रिकॉर्ड तोड़ा था। फिल्म की कहानी यहूदी राजकुमार जुदाह बेन-हर के ईद-गिर्द घूमती है, जिसे उसका रोमी दोस्त मेस्साला धोखे से गुलाम बना देता है। कई सालों की यातनाओं के बाद वो आजाद होता है और न्याय और बदले की तलाश में लौटता है। कहानी विश्वास, मोक्ष, बदला और क्षमा जैसे गहरे विषयों को दिखाती है।

द केरल स्टोरी-2 का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई। विपुल अमृतलाल शाह साल 2023 में फिल्म 'द केरल स्टोरी' लेकर आए थे। अब वे इसका सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2ः गोज बियॉन्ड! लेकर आ रहे हैं। फिल्म का मोशन पोस्टर बुधवार को रिलीज किया गया है। सीक्वल में एक और खौफनाक कहानी दर्शक देख पाएंगे। यह फिल्म इसी साल फरवरी में रिलीज होगी। फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' का मोशन पोस्टर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसे देखकर लग रहा है कि सीक्वल में एक बार फिर दर्शक किसी दिल दहला देने वाली कहानी से रूबरू होंगे। इस फिल्म का टीजर 30 जनवरी को जारी किया जाएगा। फिलहाल, आज रिलीज हुए मोशन पोस्टर में कुछ युवतियों के चेहरे दिखाए हैं। दहशत और खौफ उनके चेहरे पर साफ नजर आ रहा है।

धुरंधर ने तोड़े हिंदी सिनेमा के रिकार्ड

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। यह भारत में 1000 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। आठवें हफ्ते में भी शानदार कमाई करते हुए फिल्म ने केजीएफ चैप्टर 2 को पीछे छोड़ दिया। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने न सिर्फ हिंदी सिनेमा के रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि साउथ फिल्मों के दबदबे को भी चुनौती दी। धुरंधर की रफ्तार अभी थमती नजर नहीं आ रही। धुरंधर अब 1000 करोड़ी क्लब में शामिल होने वाली तीसरी फिल्म बन गई है। लेकिन, बॉलीवुड (हिंदी) की पहली फिल्म। अन्य दो फिल्मों में साउथ की पुष्पा 2 और बहुबली 2 है। आठवें हफ्ते में भी फिल्म की कमाई थमने का नाम नहीं ले रही। आठवें वीकेंड पर धुरंधर ने भारत में करीब 2.9 करोड़ रुपए नेट कमाए।

टीवी मसाला

पोपटलाल से शादी के लिए होने वाली दुल्हन ने रखी शर्त

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में कई साल से पत्रकार पोपटलाल की शादी का इंतजार किया जा रहा है। कई बार ऐसा संयोग बना कि पोपटलाल की शादी होगी, पर कोई न कोई अड़चन आ गई। अब एक बार फिर पोपटलाल की शादी का संयोग बना है और पूरी टीम जयपुर में हैं। यहां पतंग महोत्सव चल रहा है और इसके तार पोपटलाल की शादी से जुड़े हुए हैं। इस पतंग महोत्सव में पोपटलाल की शादी का क्या ट्विस्ट, इसकी झलक मेकर्स ने प्रोमो में दिखाई है। दरअसल, पत्रकार पोपटलाल को शादी के लिए दुल्हन मिल चुकी है, और उसका नाम बबली है, पर उसने शादी के लिए एक शर्त रखी है और उसी शर्त में पोपटलाल की किस्मत बंधी है। पोपटलाल ने भी शर्त स्वीकार कर ली है और कहा है कि वह बबली को मिसेज पोपटलाल बनाकर गोकुलधाम सोसाइटी लेकर जाएंगे। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को जो प्रोमो आया है, उसमें पतंग महोत्सव का माहौल दिखाया गया है। बताया जाता है, 'आज ये नीला आसमान गवाह बनेगा एक ऐतिहासिक युद्ध का। बबली कुमारी ने चैलेंज किया है कि जो भी उनकी पतंग काटेगा, उससे वो शादी करेगी। पोपटलाल इस शर्त को मानने के लिए तैयार हो जाते हैं। वह बबली की पतंग काटने का चैलेंज स्वीकार कर लेते हैं। उन्हें खुद पर इतना विश्वास है कि पतंग वही काटेंगे और इसलिए शेरवानी पहनकर दूल्हा बनकर पतंग महोत्सव में पहुंच जाते हैं।' वैसे हाल ही के एपिसोड में पोपटलाल, बबली के पास जाकर इस बारे में बात करते दिखे थे।

द 50 के पहले ही दिन एलिमिनेट हुआ एक सदस्य

नई दिल्ली। रियलिटी शोज 'द 50' रविवार, 1 फरवरी से जियोहॉटस्टार और कलर्स टीवी पर शुरू होने जा रहा है। लेकिन, इसकी शूटिंग 26 जनवरी से ही शुरू हो गई है। और कंटेस्टेंट्स ने पहला टास्क भी कर लिया है और उसमें से एक सदस्य एलिमिनेट भी हो चुका है। साथ ही शो में 10 कैप्टन भी बनाए गए हैं और टीमों को पांच ग्रुप्स में बांट दिया गया है। द 50 की शूटिंग दुबई में नहीं, बल्कि मुंबई के मलाड-मालवानी में बने सेट पर हो रही है। जिस आलीशान महल में सभी 50 कंटेस्टेंट्स रहेंगे, उसकी झलक तो पहले ही दिखाई गई थी। साथ ही हर एक कोने के बारे में भी बताया गया था कि वहां पर किसे फायदा और किसे नुकसान होगा। कहां पर टास्क होगा और कहां पर शांति और सुकून का अनुभव किया जा सकेगा। इस शो के बारे में 'बिग बॉस तक' ने बताया है कि इसमें पहले गेस्ट के रूप में एक दिन के लिए हिमेश रेशमिया आए हैं। साथ ही 10 कैप्टन्स का भी चुनाव किया जा चुका है, जिनके नाम राजकुमार नरूला, राजत दलाल, निक्की तंबोली, फैजु, करण पटेल, उर्वशी ढोलकिया, मोनालिसा, रचित, श्रुतिका अर्जुन और कृष्णा श्रॉफ हैं।

10 भाषाओं में गाए 715 गाने अरिजीत ने दो बार की शादी

मुंबई। देशभर में 27 जनवरी की रात चारों तरफ हलचल तब मच गई, जब अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का ऐलान किया। उनके इस फैसले ने सबको चौंका दिया। उनके फैंस को गहरा धक्का भी लगा। हालांकि, वह फिल्ममेकिंग करेंगे। वब अब अपना कॅरियर डायरेक्शन और प्रोडक्शन की फील्ड में बनाना चाहते हैं। वह एक मूवी भी बना रहे हैं, जिसमें अपने बेटे और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा को लीड रोल में कास्ट कर रहे हैं। हालांकि, इन सबके बीच उनकी निजी जिंदगी के बारे में सर्च किया जा रहा है। उनके बीवी-बच्चों और नेट वर्थ के बारे में लोग गूगल कर रहे हैं। अरिजीत सिंह ने शाहरुख खान, सलमान खान, वरुण धवन, रणबीर कपूर और कार्तिक आर्यन जैसे तमाम बड़े नामों को अपनी आवाज दी है और अपने पूरे करियर में अब तक 122 अवॉड्र्स जीते हैं, जिसमें से दो नेशनल अवॉड्र्स शामिल हैं। इन्होंने हिंदी, बंगाली, तेलुगू, तमिल, मराठी, कन्नड़, मलयालम, गुजराती, असमिया, पंजाबी में बतौर प्लेबैक सिंगर करीब 715 गाने गाए हैं और हिंदी-बंगली में 28 गाने कम्पोज किए हैं। अरिजीत सिंह ने दो शादियां कीं। पहली शादी 2013 में 'फेम गुरुकुल' की कंटेस्टेंट रूपरेखा बनर्जी से की थी। लेकिन सालभर के अंदर ही तलाक हो गया था। इसके बाद उन्होंने 2014 में कोयल रॉय से तारापीठ मंदिर में शादी की थी। वह उनके बचपन की दोस्त और पड़ोसी थीं। साथ ही तलाकशुदा थीं और उनकी पहली शादी से एक बेटी भी थी।

प्लेन क्रैश में बॉलीवुड की इन 3 हस्तियों की गई जान

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी नेता अजित पवार की बारामती में प्लेन क्रैश में मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। 66 वर्षीय अजित पवार मुंबई से बारामती जा रहे थे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब विमान हादसे में किसी हस्ती की मौत हुई। दरअसल, यह हादसा पुराने जख्मों को कुरेदता है। इससे पहले भी कई सितारे विमान हादसे में जान गंवा चुके हैं।

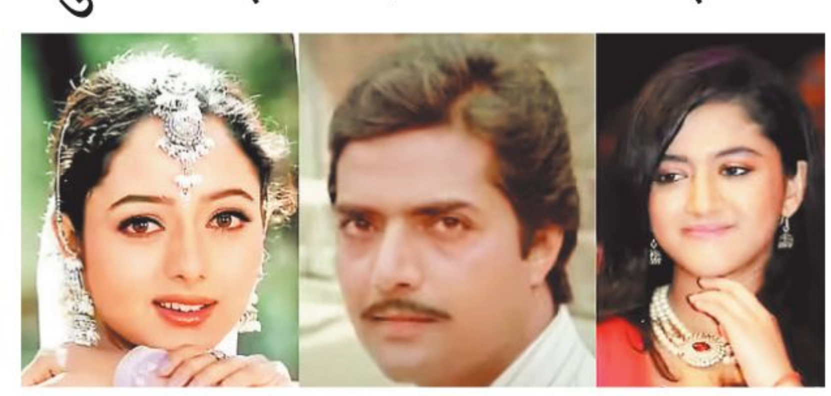

सौंदर्या शर्मा

प्लेन क्रैश में जान गंवाने वालों की लिस्ट में पहला नाम 'सूर्यवंशम' फेम एक्ट्रेस सौंदर्या का है। 32 वर्षीय सौंदर्या 17 अप्रैल 2004 को बेंगलुरु के जक्कुर एयरफील्ड से करीमनगर जा रही थीं। विमान टेकऑफ के कुछ मिनट बाद क्रैश हो गया और आग लग गई। जानकारी के अनुसार, उस समय सौंदर्या 7 महीने की प्रेग्नेंट थीं। उनके साथ भाई अमरनाथ, भाजपा कार्यकर्ता रमेश कदम और पायलट जॉय फिलिप्स भी थे। सभी की मौत हो गई थी।

ओमकार

सुपरहिट फिल्म 'नदिया के पार' में चंदर (सचिन) के बड़े भाई की भूमिका निभाकर लोकप्रिय हुए एक्टर ओमकार की मौत भी प्लेन क्रैश में हुई। वह पत्नी और बच्चों के साथ लंदन जा रहे थे।

तरुणी सचदेव

चाइल्ड एक्ट्रेस तरुणी सचदेव, जिन्हें 'रसना गर्ल' और फिल्म 'पा' में अमिताभ बच्चन के साथ काम कर खूब लोकप्रियता मिली। उनकी मौत 14 मई 2012 को नेपाल के जोमसोम एयरपोर्ट के पास हुई। 14 वर्षीय तरुणी अपनी 14वें जन्मदिन पर मां के साथ विमान में थीं। विमान क्रैश में उनकी मां का भी निधन हो गया था।

मणिपुरी फिल्म 'बूंग' को सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक श्रेणी में मिला नामांकन

बाफ्टा 2026 की नॉमिनेशन लिस्ट में 'वन बैटल आफ्टर अनदर' का दबदबा

नई दिल्ली। बाफ्ट' यानी ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स ने इस साल के नॉमिनेशन की घोषणा कर दी है। इन नामांकनों में माइकल बी जॉर्डन की फिल्म 'सिनर्स' और लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' को सबसे अधिक नामांकन मिले हैं। जबकि टिमोथी चालमेट की 'मार्टी सुप्रीम' दूसरे स्थान पर रही है। यही नहीं, बाफ्टा की नॉमिनेशन लिस्ट में भारत की मणिपुरी फिल्म 'बूंग' को भी सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म श्रेणी में नामांकन मिला है। इस बार सबसे ज्यादा 14 नॉमिनेशन लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर।

वन बैटल आफ्टर अनदर को मिले 14 नॉमिनेशन

बाफ्टा नॉमिनेशन में लियोनार्डो डिकैप्रियो की 'वन बैटल आफ्टर अनदर' ने 14 नॉमिनेशन हासिल किए हैं। ये 'गांधी' के रिकॉर्ड (16 नॉमिनेशन) से सिर्फ दो कम हैं। जबकि 'ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट', 'एटोनमेंट', 'द किंग्स स्पीच' और 'क्राउचिंग टाइगर, हिडन ड्रैगन' के बराबर हैं।

सिनर्स को 13 और मार्टी सुप्रीम को 11 नॉमिनेशन

इसके अलावा रायन कूगलर द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिनर्स' को 13 नामांकन मिले हैं। जिससे निर्देशक और अभिनेता माइकल बी जॉर्डन को पहली बार बाफ्टा में नामांकित होने का मौका मिला है। वहीं 'हैमनेट' और 'मार्टी सुप्रीम' दोनों को 11-11 नामांकन मिले। इसके साथ ही टिमोथी चालमेट लगातार दूसरे साल बाफ्टा के बेस्ट एक्टर की रेस में शामिल हो गए हैं।

22 फरवरी को होंगे बाफ्टा

बाफ्टा 2026 अवॉड्र्स का आयोजन 22 फरवरी को लंदन के रॉयल फेस्टिवल हॉल में किया जाएगा। इन अवॉड्र्स की होस्टिंग एलन कमिंग करेंगे। फिल्म और टेलीविजन के इन अवॉड्र्स की गिनती प्रमुख अवॉड्र्स समारोहों में होती है।

स्टेलन स्कार्सगार्ड को 74 साल में मिला पहला नामांकन

निर्देशक क्लोई झाओ की फिल्म 'हैमनेट' के साथ अब तक किसी महिला निर्देशक द्वारा सबसे अधिक बाफ्टा नामांकन प्राप्त करने वाली फिल्म बन गई है। 'सेंटिमेंटल वैल्यू' के लिए स्टेलन स्कार्सगार्ड को 74 साल की उम्र में अपना पहला बाफ्टा नामांकन मिला है।

बूंग को भी मिला नॉमिनेशन

इस बार के बाफ्टा में भारत की मणिपुरी फिल्म बूंग को भी नॉमिनेशन मिला है। 'बूंग' को सर्वश्रेष्ठ बाल एवं पारिवारिक फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मीप्रिया देवी द्वारा किया गया है। जबकि फिल्म का सह-निर्माण फरहान अख्तर द्वारा भी किया गया है। इसके अलावा डॉक्यूमेंट्री में सेक्शन में फिल्म 'द परफेक्ट नेबर' को भी नॉमिनेशन मिला है। हालांकि, यह एक अमेरिकन डॉक्यूमेंट्री फिल्म है। लेकिन, फिल्म की निर्देशक गीता गंडभीर का भारत से भी संबंध है। अमेरिका के बोस्टन में पली-बढ़ी गीता के पिता साल 1960 में पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गए थे।

रणजी ट्रॉफी : सौराष्ट्र के उनादकट का कहर, चटकाए 4 विकेट, चंडीगढ़ 136 रन पर ढेर

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

रणजी ट्रॉफी में एलीट ग्रुप बी में सौराष्ट्र के खिलाफ चंडीगढ़ की टीम गुरुवार को घरेलू मैदान पर पहली पारी में महज 136 रन पर ढेर हो गई। सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने चंडीगढ़ सेक्टर 16 स्थित क्रिकेट स्टेडियम में अपनी गेंदबाजी से चंडीगढ़ के बल्लेबाजों पर जमकर कहर बरपाया। जयदेव उनादकट ने 14 ओवर में 44 रन देकर चार विकेट चटकाए।

जयदेव उनादकट के अलावा चेतन साकरिया ने 10.1 ओवर में 43 रन और चिराग जानी ने छह ओवर में 18 रन देकर 2-2 विकेट झटके। प्रेरक मांकड़ भी एक विकेट (नौ ओवर में 19 रन) लेने में सफल रहे। चंडीगढ़ के कप्तान मनन वोहरा बिना खाता खोले रन आउट हो गए। मनन वोहरा समेत चंडीगढ़ के चार बल्लेबाज अपना खाता नहीं खोल पाए। शिवम भांबरी, वैभव नारंग बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। ग्यारहवें बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर कार्तिक सांडिल तीन गेंद में अपना खाता नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए।

चंडीगढ़ के अरजित और जगजीत की शानदार बल्लेबाजी

चंडीगढ़ की ओर से विकेटकीपर अरजित सिंह और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जगजीत सिंह संधू संयुक्त रूप से टीम के उच्चतम स्कोरर रहे। अरजित सिंह ने 60 गेंद में पांच चौके और जगजीत सिंह संधू ने 54 गेंद में चार चौके की मदद से 29-29 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों की बात करें तो अर्जुन आजाद 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राज अंगद बावा ने 27 गेंद में 14, विशु ने 31 गेंद में 18, निशंक बिड़ला ने 27 गेंद में 12 और रोहित ढांडा ने 10 गेंद में तीन रन बनाए।

पंजाब का मजबूत स्कोर अमनजोत ने लगाया अर्धशतक

मोहाली। अमनजोत सिंह चहल के नाबाद 77 रन की मदद से पंजाब ने कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच के पहले दिन 9 विकेट पर 303 रन बनाए। एक समय पर पंजाब का स्कोर छह विकेट पर 168 रन था लेकिन इसके बाद अमनजोत ने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की। अभिजीत गर्ग (81) और कप्तान उदय सहारन (44) ने शीर्षक्रम पर अच्छी पारियां खेली लेकिन मध्यक्रम चल नहीं सका। इक्कीस वर्ष के अमनजोत ने इसके बाद हालांकि कर्नाटक के गेंदबाजों को खासा परेशान किया। पंजाब टीम में वापसी कर रहे इस हरफनमौला ने इससे पहले 2024 में दो मैच खेले थे। कर्नाटक के लिए विद्याधर पाटिल और श्रेयस गोपाल ने तीन-तीन विकेट लिए।

खबर संक्षेप

सेंथिलकुमार और चोटरानी की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली। मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार और वीर चोटरानी ने वाशिंगटन में चल रही स्क्वाश ऑन फायर ओपन की पीएसए कांस्य स्तर की प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।
विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने इंग्लैंड के टॉम वॉल्श को 12-14, 11-8, 11-8, 11-6 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला मैक्सिको के विश्व के 11वें नंबर के खिलाड़ी लियोनेल कार्डेनास से होगा। विश्व में 49वें नंबर के खिलाड़ी चोटरानी ने हंगरी के बालाज़ फ़ार्कस को 6-11, 9-11, 11-5, 11-9, 11-3 से हराया और अब उनका मुकाबला फ्रांस के चौथे वरीयता प्राप्त बैपटिस्ट मासोटी से होगा। महिला राष्ट्रीय चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह को पहले दौर में बाई मिली है।

जम्मू में होगी फुटबॉल और क्रिकेट प्रीमियर लीग

जम्मू। जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करने के उद्देश्य से जम्मू में अगले महीने वाईएसएस-जेकेएससी फुटबॉल और क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि युवा कल्याण एवं खेल विभाग (वाईएसएस) की जम्मू और कश्मीर खेल परिषद (जेकेएससी) के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य प्रतिस्पर्धी खेलों को पुनर्जीवित करना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। यह लीग सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड, परेड और एमए स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।
जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के प्रवक्ता ने कहा, 'वाईएसएस-जेकेएससी क्रिकेट और फुटबॉल प्रीमियर लीग जम्मू के पेशेवर क्रिकेट और फुटबॉल टूर्नामेंटों को फिर से शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।'

बरुआ थाईलैंड मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

बैंकॉक। भारत की ईशरानी बरुआ ने बृहस्पतिवार को थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिला एकल में दक्षिण कोरिया की दूसरी वरीयता प्राप्त सुंग शुओ युन को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत की विश्व नंबर 48 खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 34वीं वरीयता प्राप्त सुंग को कड़े मुकाबले में 21-13, 14-21, 21-14 से मात दी। इशारानी की हमवतन देविका शाइग ने भी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ताइपे की तुंग सिओ-टॉग को 21-14, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला एकल के दूसरे राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सातवें स्थान पर रहीं भारत की किरण जॉर्ज इंडोनेशिया की प्रादिस्का बगास शुजीवो से 16-21, 11-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। थारुन मन्नेपल्ली ने पुरुष एकल में ताइपे के टिंग येन-चेन को 21-17, 14-21, 24-22 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में एरिना ने स्वितोलिना को सीधे सेटों में दी पटखनी

वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियन ओपन के विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका ने यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना के खिलाफ 6-2, 6-3 से सीधे सेटों में जीत दर्ज की। इसी के साथ सबालेंका लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंच गईं। सबालेंका शनिवार को मेलबर्न में खिताब के लिए एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला के बीच मुकाबले की विजेता का सामना करेंगी। सबालेंका को मैडिसन कीज के खिलाफ साल 2023 का फाइनल गंवाना पड़ा था। अब उनके पास फिर से खुद को साबित करने का मौका है।

एक अविश्वसनीय उपलब्धि : सबालेंका

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि है, लेकिन मेरा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। मैं जीत से बहुत खुश हूं। वह (एलिना स्वितोलिना) बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। मैं उनका खेल देख रही थी। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अविश्वसनीय रूप से खेला। मुझे लगा कि आगे बढ़कर उन पर जितना हो सके उतना दबाव डालना होगा। मुझे खुशी है कि आज मेरा खेल उस स्तर का था। मैंने शानदार टेनिस खेला। मैं सीधे सेटों में जीत हासिल करके खुश हूं।

एरिना को फाइनल में जगह बनाने के लिए लगा एक घंटा

गुरुवार को रोड लेवर एरिना में खेले गए मुकाबले में एरीना सबालेंका ने शुरू से ही मैच में पकड़ बनाए रखी। उन्हें फाइनल में जगह बनाने के लिए करीब एक घंटे का समय लगा। यह मुकाबला एकतरफा रहा, जिसमें सबालेंका ने अपनी पहली सर्विस पर 67 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 79 प्रतिशत अंक जीते। बेलारुसी खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने अपनी पावर और जोरदार सर्विस के साथ स्वितोलिना पर लगातार दबाव बनाए रखा। इस बीच, अपने तीसरे ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब की ओर बढ़ रहीं स्वितोलिना को वापसी का एक भी मौका नहीं मिला।

मुकाबला करने में जूझती रहीं स्वितोलिना

स्वितोलिना, सबालेंका की गति और निरंतरता का मुकाबला करने में जूझती रहीं। यूक्रेनी खिलाड़ी ने अपनी पहली सर्विस पर सिर्फ 56 प्रतिशत और दूसरी पर 50 प्रतिशत अंक जीते। उन्होंने मैच के दौरान तीन डबल फॉल्ट भी किए। टॉप सीड खिलाड़ी ने अपने सात ब्रेक-प्वाइंट्स मौकों में से चार को भुनाया, जबकि स्वितोलिना को चार मौकों में से सिर्फ एक ब्रेक लेने दिया। सबालेंका ने कुल अंकों के मामले में भी अपनी प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ा। दो बार की चैंपियन ने 65 अंक जीते, जबकि स्वितोलिना ने 46 अंक जीते।

कुबलर-पॉल्मन्स का शानदार सफर जारी

मेंस डबल्स फाइनल में एंट्री

मेलबर्न। जेसन कुब्लर और मार्क पोलमैंस की जोड़ी ने अपने ऑस्ट्रेलियन ओपन के शानदार सफर को जारी रखा है। इन खिलाड़ियों ने गुरुवार को ग्रेट ब्रिटेन के ल्यूक जॉनसन और पोलैंड के जैन जिलिंस्की की जोड़ी के खिलाफ 6-2, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज की। इसी के साथ होमटाउन वाइल्डकार्ड ने मेंस डबल्स फाइनल में जगह बना ली है। अब ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी का सामना ग्रेट ब्रिटेन के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 नील स्कूपस्की और अमेरिकी खिलाड़ी क्रिश्चियन हैरिसन से होगा। इस अनुभवी जोड़ी ने दूसरे सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त मार्सेल ग्रानोलर्स और होरासियो जेबालोस को सीधे सेटों में हरा दिया था।

चोटिल होने के बाद भी कोर्ट में कुब्लर

मुकाबले के दौरान कुब्लर के बाएं घुटने पर पट्टी बंधी हुई थी, जिसका पहले कई बार ऑपरेशन हो चुका है। इसके बावजूद उनके चेहरे पर कोई तकलीफ नहीं दिखी। उन्होंने पहला ब्रेक लेने के लिए हवा में उछलकर जोरदार स्मैश लगाया। इसके बाद दो गेम बाद उन्होंने एड साइड से लगातार रिटर्न विनर लगाए और एक और ब्रेक हासिल किया। इससे वह 5–1 से आगे हो गए। आखिर में पोलमैंस ने बिना कोई अंक गंवाए सर्विस होल्ड की और सेट जीत लिया।

चैंपियंस लीग

नौवें स्थान पर खिसका रियाल मैड्रिड, बेनफिका से मिली हार

एमबापे का शानदार गोल नहीं आए काम

एजेंसी ▶▶| लंदन

स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे के दो गोल के बावजूद रियाल मैड्रिड को चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में बेनफिका से 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच से पहले रियाल मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में तीसरे स्थान पर था लेकिन अब वह नौवें स्थान पर खिसक गया, जो अंतिम 16 में सीधे प्रवेश पाने से एक स्थान नीचे है।

बेनफिका की तरफ से यूक्रेन के गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन ने इंजरी टाइम के आठवें मिनट में गोल किया। इससे बेनफिका गोल अंतर के आधार पर 24वें स्थान पर पहुंच गया और उसने प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर ली। अनातोली ने जब गोल किया तब रियाल मैड्रिड नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था। इससे कुछ मिनट पहले ही राउल असेंसियो और रोड्रिगो को लाल कार्ड दिखाए गए थे।

शीर्ष आठ से बाहर रियाल मैड्रिड

स्पोर्टिंग लिस्बन ने एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 3-2 से जीत हासिल की, जिससे रियाल मैड्रिड शीर्ष आठ से बाहर हो गया। स्पोर्टिंग ने अप्रत्याशित रूप से लिवरपूल, टॉटेनहम, बार्सिलोना, चेल्सी और मैनचेस्टर सिटी के साथ शीर्ष आठ में जगह पक्की कर ली। तालिका में शीर्ष पर काबिज आर्सेनल ने कैरात अल्माटी को 3-2 से हराकर लगातार आठवीं जीत दर्ज कीं। वह और दूसरे स्थान पर काबिज बायर्न म्यूनिख पहले ही मार्च में शुरू होने वाले राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए थे।

भारत ने मिश्रित दिव्यांगता टी-20 मैच में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया

ग्रेटर नोएडा। भारत ने पांच मैचों की मिश्रित दिव्यांगता टी-20 श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां इंग्लैंड पर सात विकेट की जीत के साथ शानदार आगाज किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने अपने निर्धारित 20 ओवरों में 173 रन बनाए। जवाब में भारत ने 18.5 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत के लिये प्लेयर ऑफ द मैच विकेटकीपर बल्लेबाज योगेंद्र भदौरिया ने 59 गेंद में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 94 रन की पारी खेली। आकाश सिंह ने 15 गेंद में 36 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड के कप्तान कैलम फ्लिन ने 16 गेंदों में आक्रामक 26 रन बनाकर शुरुआती बढ़त दिलाई, वहीं लियान ओ'ब्रायन ने 41 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से संयमित 55 रन बनाकर पारी को संभाला। विकेटकीपर-बल्लेबाज एंगस ग्रांट ब्राउन ने आखिरी ओवरों में 34 गेंदों में 53 रन बनाए और इंग्लैंड को 170 रन के पार पहुँचाया।

डब्ल्यूपीएल: डि क्लर्क और हैरिस के शानदार प्रदर्शन से यूपी को हराकर आरसीबी फाइनल में

भाषा ▶▶| वडोदरा

▶▶| वॉरियर्ज को 9 विकेट से हराया
▶▶| मंधाना की फिफ्टी, डी क्लर्क को 4 विकेट

पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां जोरदार वापसी करते हुए यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यूपी वॉरियर्स के लिए इस हार के बाद प्ले ऑफ में जगह बनाने काफी मुश्किल हो गया है। नाडिन डि क्लर्क के चार विकेट और ग्रेस हैरिस के दो विकेट से आरसीबी ने शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हैरिस (37 गेंद में 75) और मंधाना (27 गेंद में नाबाद 54) की 108 रन की आक्रामक साझेदारी से महज 13.1 ओवर में दो विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस बड़ी जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए, जिससे टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और पांच टीमों की तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा जमाया। यूपी वॉरियस चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और एक मैच शेष होने के बावजूद उसका नेट रन रेट भी सबसे खराब है, जिससे उसका अभियान लगभग खत्म होने की कगार पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए 'प्लेयर ऑफ मैच' हैरिस ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने शुरुआती ओवरों में क्रांति गौड़ को निशाना बनाया।

एफआईएच प्रो लीग के लिए हॉकी टीम का ऐलान, मनप्रीत बाहर

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा। दो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीमों के सदस्य और 33 वर्षीय पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत 15 वर्षों में पहली बार शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं बना पाए हैं। वह हॉकी इंडिया के वर्तमान अध्यक्ष दिलीप टिर्की के साथ 412 मैचों के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक मैच खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। राउरकेला में 10 से 15 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों से पहले 1 से 7 फरवरी तक यह शिविर आयोजित किया जाएगा।

टाटा स्टील मास्टर्स: एरिगैसी की एक और हार

काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने जीती बाजी

एजेंसी ▶▶| विज्क आन जी

भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की।

काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं। एरिगैसी कुछ दिन पहले तक शानदार फॉर्म में थे, लेकिन इस टूर्नामेंट में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और वह अंक तालिका में निचले पायदान पर हैं। उनके 10 मैचों में सिर्फ चार अंक हैं।

प्रज्ञाननंदा ने नीमन के साथ खेला ड्रॉ

टूर्नामेंट के एक अन्य मुकाबले में भारत के आर प्रज्ञाननंदा ने हैंस मोके नीमन के साथ अपनी बाजी ड्रॉ खेली। पिछले दौर में गुकेश को हराने वाले जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम ने अनीश गिरी को हराकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी, जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट ने जावोखिर सिंदारोव के साथ ड्रॉ खेला।

UGC के नए नियमों पर SC की रोक:

-भेदभाव, जाति और कैंपस एकता पर उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों पर गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए अगले आदेश तक रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की पीठ ने स्पष्ट किया कि इन नियमों के कई प्रावधान न केवल अस्पष्ट हैं, बल्कि इनके गलत इस्तेमाल की आशंका भी है। अदालत ने केंद्र सरकार और UGC को निर्देश दिया है कि वे इन नियमों का नया ड्राफ्ट तैयार करें और सभी पक्षों की चिंताओं को ध्यान में रखें। इस मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। तब तक देशभर में 2012 के UGC नियम ही लागू रहेंगे। यह मामला मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि UGC के नए नियम जनरल कैटेगरी के छात्रों के साथ भेदभाव करते हैं और कैंपस में सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दे सकते हैं। गौरतलब है कि UGC ने 13 जनवरी को इन नए नियमों को अधिसूचित किया था, जिसके बाद से ही देशभर में छात्र संगठनों और शिक्षाविदों के बीच इनका विरोध शुरू हो गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कुछ बेहद अहम और दूरगामी टिप्पणियां कीं, जो सिर्फ कानूनी दायरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत की शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संरचना से भी जुड़ी हैं। कोर्ट ने सबसे पहले यह सवाल उठाया कि जब 'भेदभाव' की परिभाषा पहले से ही सभी प्रकार के भेदभाव को कवर करती है, तो 'जाति-आधारित भेदभाव' को अलग से परिभाषित करने की जरूरत क्यों महसूस की गई। अदालत के अनुसार, इस तरह की अलग-अलग परिभाषाएं भविष्य में भ्रम और दुरुपयोग का कारण बन सकती हैं। कोर्ट ने यह भी हैरानी जताई कि नए रेगुलेशंस में रैगिंग जैसी गंभीर समस्या को शामिल नहीं किया गया। न्यायालय ने कहा कि कैंपस में छात्रों के लिए रैगिंग एक बड़ी और वास्तविक चुनौती है, जिससे हर साल कई घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में यदि UGC का उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा और समानता सुनिश्चित करना है, तो रैगिंग जैसे मुद्दे को नजरअंदाज करना समझ से परे है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चर्चा में रही। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों में भी अब कई लोग आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या हम उस दिशा में पीछे जा रहे हैं, जहां समाज को जातियों के आधार पर और ज्यादा बांटा जाए। CJI ने कहा कि भारत अब तक जिस 'जातिविहीन समाज' की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, क्या नए नियम उस प्रगति को उलट देंगे? सबसे कड़ी आपत्ति अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल बनाने के प्रस्ताव पर जताई गई। CJI ने भावुक अंदाज में कहा, "भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए।" उन्होंने याद दिलाया कि पहले सभी जातियों के लोग साथ रहते थे, साथ पढ़ते-लिखते थे और आज इंटर-कास्ट मैरिज भी आम होती जा रही हैं। न्यायालय के अनुसार, भारत की एकता और सामाजिक सौहार्द की झलक शैक्षणिक संस्थानों में भी दिखनी चाहिए, न कि वहां नई दीवारें खड़ी की जाएं। इस फैसले के बाद राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ लोग मानते हैं कि नए नियम सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए लाए गए थे, वहीं दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि इनसे कैंपस में ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट की रोक ने फिलहाल इस बहस पर विराम लगा दिया है और सरकार को दोबारा सोचने का मौका दिया है। कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ UGC के नियमों तक सीमित नहीं है। यह भारत की उच्च शिक्षा नीति, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय एकता के सवालों को एक बार फिर केंद्र में ले आया है। अब देखना यह होगा कि केंद्र सरकार और UGC नया ड्राफ्ट तैयार करते समय अदालत की टिप्पणियों और देशभर से उठ रही आवाज़ों को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

सोनम वांगचुक की जोधपुर जेल में तबीयत गंभीर

-सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञ डॉक्टर से जांच का आदेश दिया

जोधपुर । जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सेहत हाल ही में गंभीर रूप से बिगड़ गई है। वांगचुक ने जेल के दूषित पानी के सेवन के कारण पेट में लगातार संक्रमण और तेज दर्द की शिकायत की है। उनकी स्थिति को देखते हुए, मामले की गंभीरता को समझते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जोधपुर जेल प्रशासन को आदेश दिया है कि वांगचुक की जांच विशेषज्ञ डॉक्टर से कराई जाए। सोनम वांगचुक को एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत सितंबर 2025 में हिरासत में लिया गया था। जेल में रहते हुए उनकी तबीयत में लगातार गिरावट देखी गई। मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने गुरुवार को की। कोर्ट ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि वांगचुक की जांच सरकारी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर, विशेषकर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट से कराई जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वांगचुक की मेडिकल रिपोर्ट 2 फरवरी तक प्रस्तुत की जाए। राजस्थान सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने कोर्ट में यह तर्क दिया कि वांगचुक की नियमित और बार-बार जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि चार महीनों के दौरान जेल के डॉक्टरों ने वांगचुक की 21 बार जांच की है और आखिरी चेकअप 26 जनवरी को किया गया था। सरकार का यह तर्क था कि पर्याप्त निगरानी और देखभाल की जा रही है। हालांकि, वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि आंगमो ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के माध्यम से कोर्ट में आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जेल में मिलने वाला पानी दूषित है और वांगचुक लगातार पेट दर्द से पीड़ित हैं। उनका यह भी कहना था कि सामान्य फिजिशियन द्वारा की गई जांच वांगचुक की गंभीर स्थिति को ठीक से नहीं समझ सकती। वांगचुक के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की देखभाल बेहद जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को मान्यता दी और कहा कि जेल में बंद किसी भी व्यक्ति की जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने जेल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि सोनम वांगचुक की मांग के अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टर से जांच कराई जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी सामान्य जांच को पर्याप्त नहीं माना जा सकता, जब मरीज की स्थिति गंभीर हो और उसे विशेष विशेषज्ञता की जरूरत हो। इस आदेश के बाद जोधपुर जेल प्रशासन अब वांगचुक को तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक के पास ले जाएगा। यह कदम मानवाधिकार और जेल में बंद कैदियों की सेहत की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य संकट ने जेल के पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच की आवश्यकता को भी उजागर किया है। जेल प्रशासन पर यह दबाव बढ़ गया है कि वह कैदियों के लिए साफ-सुथरे और सुरक्षित पानी की व्यवस्था करे।

बजट सत्र 2026: तीसरे दिन इकोनॉमिक सर्वे पर चर्चा, 1 फरवरी को पेश होगा बजट

नई दिल्ली । भारत के संसद का बजट सत्र शुक्रवार को अपने तीसरे दिन में प्रवेश कर गया है। इस सत्र में मुख्य रूप से वित्तीय मामलों और अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। खासकर आज इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है। यह सर्वे गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किया गया था। इकोनॉमिक सर्वे में वित्त वर्ष 2026-27 की आर्थिक संभावनाओं का विस्तृत अनुमान प्रस्तुत किया गया है। सर्वे के अनुसार, देश की जीडीपी ग्रोथ 6.8% से 7.2% के बीच रहने की उम्मीद है। इस रिपोर्ट में मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों, निवेश, सरकारी खर्च और उत्पादन के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसका उद्देश्य नीति निर्माताओं और आम जनता को आर्थिक दिशा और संभावनाओं की स्पष्ट जानकारी देना है। बजट सत्र इस बार 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा और इसे दो चरणों में विभाजित किया गया है। पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी। ध्यान देने योग्य है कि 28 जनवरी और 1 फरवरी को शून्यकाल नहीं होगा। शून्यकाल के बिना, सांसद सीधे महत्वपूर्ण मुद्दों और मौजूदा आर्थिक स्थिति पर चर्चा में भाग ले सकते हैं। सत्र के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी सरकार की पहचान "रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म" रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश अब "रिफॉर्म एक्सप्रेस" पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बजट सत्र को बेहद महत्वपूर्ण बताया और इसे देश की भविष्य की दिशा तय करने वाला अवसर करार दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 के "विकसित भारत" के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि 21वीं सदी का पहला चौथाई हिस्सा बीत चुका है और अब दूसरे चौथाई की शुरुआत हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले 25 साल देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिहाज से बेहद अहम हैं। उनकी टिप्पणी से यह संकेत मिलता है कि सरकार अगले दशक में आर्थिक सुधारों, निवेश और सामाजिक विकास के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इकोनॉमिक सर्वे का यह संस्करण आर्थिक सुधारों, रोजगार सृजन, कृषि, उद्योग और डिजिटल अर्थव्यवस्था के पहलुओं पर केंद्रित होगा। बजट सत्र के दौरान सांसदों द्वारा इन मुद्दों पर उठाए गए सवाल और सुझाव 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट को दिशा देंगे। आम बजट में सरकार अपने अगले वित्तीय वर्ष के लिए आय, खर्च, कराधान और निवेश की नीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत करेगी। इस बार का बजट सत्र इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें देश की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीतियों, विकास लक्ष्यों और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित होगा।

पश्चिमी नेताओं के चीन दौरे: ट्रम्प की नीतियों से बदलता ग्लोबल बैलेंस

बीजिंग (एजेंसी)। पिछले दो महीनों में पांच पश्चिमी देशों के नेता चीन दौरे पर जा चुके हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर बुधवार को तीन दिन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे। उनसे पहले फ्रांस, कनाडा, फिनलैंड और आयरलैंड के लीडर्स भी चीन आए। इस तेज़ी से बढ़ते दौरे के पीछे सवाल यह उठ रहा है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने पश्चिमी देशों को चीन के साथ संबंध सुधारने के लिए मजबूर कर दिया है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी के अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अमेरिकी इतिहास के विशेषज्ञ डॉ. स्टुअर्ट रोलोका का मानना है कि ट्रम्प की आक्रामक नीतियों की वजह से वैश्विक संतुलन बदल रहा है। ट्रम्प के NATO पर सवाल उठाने, ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे की मांग और गठबंधनों की अनदेखी रवैये ने यूरोपीय सहयोगियों का भरोसा कम कर दिया है। टैरिफ का असर सबसे ज्यादा महसूस किया जा रहा है। यूरोप के टैक्स फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने विभिन्न देशों पर औसतन 10 से 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए हैं। इससे व्यापार में अनिश्चितता बढ़ी और वित्तीय संकट तथा आर्थिक मंदी का खतरा यूरोप में बढ़ गया। विशेष रूप से फ्रांस और जर्मनी पर 15 प्रतिशत टैरिफ का सीधा असर पड़ा। इस महीने ट्रम्प ने यूरोप के आठ देशों को 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, क्योंकि ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे के प्रस्ताव का विरोध कर रहे थे। हालांकि बाद में उन्होंने इसे वापस ले लिया। ट्रम्प के बयानों ने भी पश्चिमी देशों में असंतोष बढ़ाया है। 23 जनवरी को स्विट्ज़रलैंड के दावोस में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के मंच से उन्होंने कहा कि अमेरिका अब उस ग्लोबल सिस्टम का नेतृत्व नहीं करेगा, जिसे उसने दूसरे विश्व युद्ध के बाद सहयोगियों के साथ मिलकर बनाया था। उन्होंने यूरोप को ऐसे देश बताया जो अमेरिका का लाभ उठाते रहे और कहा कि अब अमेरिका इसे रोकने के लिए अपने 'ट्रेड वॉर' को जारी रखेगा।

कश्मीर में माइनस 11°C तक पारा, मध्य-भारत और पंजाब-हरियाणा में कोहरे से हादसे; 7 लोगों की मौत

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में इस समय सर्दी अपने चरम पर है। सोनमर्ग सबसे ठंडी जगह बन गई है, जहां गुरुवार की रात पारा माइनस 11.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। गुलमर्ग में तापमान -9°C और कुपवारा में -3.5°C रिकॉर्ड किया गया। बर्फबारी के कारण राज्य के अधिकतर इलाकों में मौसम बेहद ठंडा और कड़क सर्द बना हुआ है। लोगों को घरों से बाहर निकलने में कठिनाई हो रही है और आवागमन प्रभावित हुआ है। राज्य के कई इलाके बर्फ से ढके हुए हैं। सोनमर्ग और गुलमर्ग जैसे हिल स्टेशन पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र तो हैं, लेकिन इस समय वहां पहुंचना खतरनाक भी हो सकता है। सड़कें बर्फ और जमी हुई बरसात से फिसलन भरी हो गई हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक यात्रा न करें और अपने घरों में सुरक्षित रहें। इधर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में घना कोहरा छाया हुआ है। शुक्रवार सुबह ग्वालियर-भिंड रोड हाईवे पर कोहरे के कारण एक ट्रक और कार की भीषण टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल थे। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों में शोक की लहर है। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे-58 पर भी सुबह के समय कई गाड़ियों की आपस में टक्कर हुई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई और छह से अधिक लोग घायल हुए। दुर्घटना के कारण हाईवे पर करीब एक घंटे तक चार किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। प्रशासन ने फौरन राहत कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल भेजा गया। पंजाब और हरियाणा में भी सर्दी ने अपना असर दिखाया है। गुरुवार को दोनों राज्यों के पांच शहरों में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। हरियाणा के नारनौल में न्यूनतम तापमान 2°C और भिवानी में 2.5°C रिकॉर्ड किया गया। पंजाब के फरीदकोट में तापमान 3°C, बठिंडा में 3.8°C और फिरोजपुर में 3.4°C रहा। इस शीतलहर से किसानों और छोटे व्यापारियों को परेशानी हो रही है। कई जगहों पर जलन और सर्दी से होने वाली बीमारियों के मामले भी बढ़ रहे हैं। मौसम विभाग ने इन राज्यों में आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोहरे और ठंड के कारण सड़क हादसों की संभावना बढ़ जाती है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे वाहन चलाते समय हेडलाइट्स और फॉग लाइट का इस्तेमाल करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें। इसके साथ ही बुजुर्गों और बच्चों को गर्म कपड़े पहनाने और बाहर जाने से बचाने की भी सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सर्दी की लहर अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के चलते स्थानीय प्रशासन ने कई हाईवे बंद किए हैं और लोगों से गैरजरूरी यात्रा न करने की अपील की है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में भी मौसम विभाग ने कड़ी चेतावनी जारी की है। कुल मिलाकर देश के विभिन्न हिस्सों में सर्दी और कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है।

ग्रीनलैंड विवाद: ट्रम्प की धमकी से डेनमार्क पीएम फ्रेडरिक्सन की पार्टी को मिली बड़ी राजनीतिक बढ़त

वोशिंग्टन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका और डेनमार्क के बीच ग्रीनलैंड को लेकर विवाद ने डेनिश प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन के लिए राजनीतिक अवसर बना दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को डेनमार्क से अलग कर अपने देश में शामिल करने की धमकी दी थी। इस अप्रत्याशित बयान के जवाब में फ्रेडरिक्सन ने देश की संप्रभुता और स्वायत्तता का दृढ़ता से बचाव किया। इस विवाद का नतीजा यह हुआ कि फ्रेडरिक्सन की पार्टी, सोशल डेमोक्रेट्स, की लोकप्रियता में अचानक उछाल आया। अमेरिकी मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, द पोलिटिको, के अनुसार, ट्रम्प को शुक्रिया कहना चाहिए क्योंकि उनकी धमकी ने फ्रेडरिक्सन को राजनीतिक संकट से बाहर निकाल दिया। हाल ही में हुए सर्वेक्षण में सोशल डेमोक्रेट्स को 32 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि इससे पहले उनकी स्थिति कमजोर थी। इस तरह, एक महीने में पार्टी को लगभग 9 सीटों का फायदा हुआ। यह बदलाव विशेष रूप से उस समय महत्वपूर्ण है जब पिछली लोकल चुनावों में सोशल डेमोक्रेट्स को बड़े झटके लगे थे। नवंबर 2025 में पार्टी को कई क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा, और सबसे बड़ा झटका कोपेनहेगन में लगा, जहां पार्टी ने 100 साल में पहली बार सत्ता खो दी। लेकिन ट्रम्प के विवादित बयान ने फ्रेडरिक्सन को एक मंच दिया। उन्होंने न केवल अमेरिकी दावों को खारिज किया, बल्कि अपने देश की राजनीतिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय सम्मान को भी मजबूती से पेश किया। जनता में यह दृढ़ता और राष्ट्रप्रेम का संदेश गया और पार्टी की लोकप्रियता बढ़ गई। इस प्रकार, ग्रीनलैंड विवाद ने डेनमार्क की आंतरिक राजनीति पर गहरा असर डाला और यह साबित किया कि कभी-कभी विदेशी विवाद भी घरेलू राजनीतिक लाभ में बदल सकता है।

बांग्लादेश ने भारत से छीनी SEZ, चीन को दी ड्रोन फैक्ट्री और फाइटर जेट का रास्ता

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने चटगांव में भारत को दी गई स्पेशल इकोनॉमिक जोन (SEZ) का भूमि आवंटन रद्द कर दिया है और अब यह जमीन चीन को दी गई है। यूनुस सरकार ने इस जमीन को ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए चीन को सौंपा है। यह फैक्ट्री लगभग 850 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है और रिपोर्ट के अनुसार इस साल के अंत तक यहाँ प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। चीन ने ड्रोन टेक्नोलॉजी को बांग्लादेश को ट्रांसफर करने पर भी सहमति जताई है। इस फैक्ट्री में मीडियम रेंज और वर्टिकल लिफ्ट वाले ड्रोन बनाए जाएंगे। चटगांव में यह प्लांट भारतीय सीमा से करीब 100 किमी दूर स्थित है। इससे बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान के बाद तीसरा ऐसा देश बन जाएगा, जो ड्रोन बनाने की क्षमता रखता है। यह कदम बांग्लादेश के लिए सुरक्षा और तकनीकी दृष्टि से एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। दूसरी ओर, चीन ने पिछले साल बांग्लादेश को 20 J-10CE फाइटर जेट देने की डील भी की थी। यह डील इस साल के अंत से लागू होगी और चीन ने पेमेंट के लिए बांग्लादेश को पर्याप्त मोहलत भी दी है। इस प्रकार बांग्लादेश अपनी सैन्य और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए चीन के साथ क़रीब सहयोग कर रहा है। विशेष रूप से, यह कदम भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नया मोड़ ला सकता है, क्योंकि पहले भारत को SEZ के माध्यम से चटगांव में व्यापारिक और औद्योगिक अवसर मिले थे। अब यह क्षेत्र चीन की ड्रोन टेक्नोलॉजी और सैन्य सहयोग का केंद्र बन जाएगा। इससे साफ संकेत मिलता है कि बांग्लादेश चीन के साथ अपने रक्षा और टेक्नोलॉजी संबंध मजबूत कर रहा है। चीन से ड्रोन और फाइटर जेट हासिल करने की योजना बांग्लादेश को क्षेत्रीय सुरक्षा में अधिक सक्षम बनाएगी।

देहरादून में कश्मीरियों पर नफरती हमला:

-'ये कश्मीर नहीं' कहकर रॉड-लाठियों से पीटा, नाबालिग का हाथ टूटा

देहरादून । यह घटना केवल देहरादून या उत्तराखंड की नहीं, बल्कि पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली है। जब किसी इंसान को उसकी पहचान—धर्म, क्षेत्र या मज़हब—के आधार पर निशाना बनाया जाए, तो सवाल सिर्फ क़ानून-व्यवस्था का नहीं रहता, बल्कि समाज की सोच और संवेदनशीलता पर भी उठता है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के विकासनगर क्षेत्र में बुधवार शाम जो कुछ हुआ, वह बेहद चिंताजनक है। यहां दो कश्मीरी लड़कों—18 वर्षीय दानिश और उसके नाबालिग रिश्तेदार—के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। आरोप है कि एक दुकानदार ने जैसे ही यह जाना कि दोनों लड़के मुस्लिम हैं और कश्मीर से ताल्लुक रखते हैं, वह भड़क उठा। प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ितों के मुताबिक दुकानदार ने गाली-गलौज शुरू की और "ये कश्मीर नहीं है, इन्हें मार दो" जैसे नफरत भरे जुमले कहे। बताया जा रहा है कि दुकानदार ने पहले रॉड से हमला किया और फिर आसपास मौजूद कुछ अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद दोनों लड़कों को लाठी-डंडों और रॉड से बुरी तरह पीटा गया। हमले में नाबालिग लड़के का हाथ टूट गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दानिश को भी शरीर के कई हिस्सों में चोटें लगी हैं। घायल लड़के ने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों में दुकानदार के साथ एक महिला भी शामिल थी, जिसने मारपीट में भाग लिया। यह घटना केवल शारीरिक हिंसा नहीं है, बल्कि मानसिक और सामाजिक हिंसा का भी उदाहरण है। किसी को उसकी पहचान के कारण अपमानित करना, डराना और पीटना हमारे संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। भारत का संविधान हर नागरिक को समानता, सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या क्षेत्र से आता हो। इस मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे "अस्वीकार्य" बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह किया। वहीं, देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने बयान जारी कर कहा कि इस घटना का धर्म, जाति या क्षेत्रीय पहचान से कोई लेना-देना नहीं है। उनके मुताबिक यह गाली-गलौज और मारपीट का मामला है, और मुख्य आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। हालांकि प्रशासन का यह बयान सवाल भी खड़े करता है। जब पीड़ित खुद यह कह रहे हों कि उन्हें कश्मीरी और मुस्लिम होने के कारण निशाना बनाया गया, तो इस पहलू की गंभीरता से जांच होना बेहद ज़रूरी है। ऐसे मामलों में केवल कानून-व्यवस्था की औपचारिक कार्रवाई ही काफी नहीं होती, बल्कि नफरत और पूर्वाग्रह की जड़ों को समझना और उन्हें खत्म करना भी उतना ही ज़रूरी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में काम, पढ़ाई या रोज़गार के सिलसिले में रहने वाले कश्मीरी युवाओं के लिए यह घटना डर पैदा करने वाली है। सवाल यह है कि क्या वे खुद को सुरक्षित महसूस कर सकते हैं? क्या किसी नागरिक को अपनी पहचान छुपाकर जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा? यह वक्त आत्ममंथन का है। समाज, प्रशासन और राजनीति—तीनों को मिलकर यह संदेश देना होगा कि नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है। दोषियों को सख्त सज़ा मिलनी चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि कानून सबके लिए बराबर है और इंसानियत किसी भी पहचान से बड़ी होती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com